तापमान
अधिकतम 44.0 डिग्री
न्यूनतम 23.5 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 8 जून 2025

12 साइकिल रैली के जरिए दिया स्वस्थ जीवन शैली का संदेश

12 योगासन खेल प्रतियोगिता में सिया ने मारी बाजी

खबर संक्षेप

15 ग्राम स्मैक तस्करी के मामले में काबू

अंबाला। थाना पडाव क्षेत्र 12 क्रॉस रोड पर पानी टंकी के पास से नशा तस्करी के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी ओमप्रकाश उर्फ बाबू को 15 ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार किया गया है। उसे अब एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। पुलिस दल को सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करता है। इसी आधार पर पुलिस ने नाकाबंदी कर आरोपी को काबू किया। विधिपूर्वक तलाशी लेने पर उससे 15 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

भैंस चोरी का आरोपी काबू, रिमांड पर लिया

अंबाला। थाना मुलाना में दर्ज चोरी के मामले में सीआईए-1 ने आरोपी परवेज उर्फ भूरा को गिरफ्तार किया है। उसे चार दिन के रिमांड पर लिया है। इस मामले में एक आरोपी को पहले गिरफ्तार किया जा चुका है। बिंजलपुर के राहुल कुमार ने 25 फरवरी 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 24/25 फरवरी 2025 की रात्रि को आरोपियों ने सफेद स्कॉर्पियो गाडी से उसकी व राकेश कुमार की भैंस चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

बुजुर्ग महिला से गहने व मोबाइल लूटे, मारपीट

पानीपत। पानीपत के रेलवे स्टेशन पर बैठी 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला राजरानी को दो लोगों ने बहकाया और उसके वहां से गांव उग्राखेडी के समने वाली काला आंब रोड पर ले गए। जहां उसका मोबाइल फोन और कानों की सोने से बनी बालिया लूट ली। वहीं जब राजरानी ने लूट का विरोध किया तो लुटेरें ने उसके साथ मारपीट की। लूट के बाद दोनों आरोपी राजरानी को सुनसान जगह पर छोड़कर फरार हो गए। राजरानी की शिकायत पर थाना चांदनी बाग पुलिस ने दो अज्ञात लोगों पर लूट के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अटल सेवा केंद्र पर लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। पानीपत में धूपसिंह नगर में पांच जून की शाम अटल सेवा केंद्र पर नकदी लूट की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों मनीष निवासी गांव बड़ौली व विकास निवासी गांव बिंझौल जिला पानीपत को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों से उक्त वारदात के अतिरिक्त विद्यानंद कॉलोनी में दुकानदार के साथ तीन हजार रुपए की ठगी की वारदात का खुलासा हुआ। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया है, ताकि इनका अपराधिक रिकार्ड का पता चल सके। वहीं, लूट के मामले में थाना चांदनी बाग में प्रियंका की शिकायत पर कस दर्ज है।

कातिलाना हमले का फरार आरोपी पकड़ा

पानीपत। थाना किला पुलिस ने भारत नगर में जीजा राहुल चौहान व इसके साले उदय प्रताप पर जानलेवा हमला करने के मामले में फरार चल रहे पांचवें आरोपी गांधी नगर निवासी मोनू को गिरफ्तार किया है। वहीं थाना किला प्रभारी श्रीनिवास ने बताया कि इस मामले में धवन, हर्ष, विष्णु व भारत को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। इस मामले में थाना किला में भारत नगर निवासी राहुल चौहान पुत्र शीशपाल की शिकायत पर केस दर्ज है।

पिता-पुत्र पर हमला कर किया घायल, केस दर्ज

यमुनानगर। गांव पालेवाला में रंजिश को लेकर एक युवक ने अपने चार अन्य साथियों के साथ मिलकर पिता पुत्र पर गंडासी व तलवार से हमला कर घायल कर दिया। दोनों घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने एक आरोपी को नामजद करते हुए चार अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। ओमप्रकाश ने बताया कि उसके लड़के का कुछ दिन पहले गांव के ही संदीप से झगड़ा हो गया था।

मंत्री अनिल विज ने किया औचक निरीक्षण, नप अधिकारियों को दिए निर्देश

नाइट फूड मार्केट में देश के हर राज्य के व्यंजन का लुत्फ उठा पाएंगे लोग

दो महीने में बनकर तैयार हो जाएगी फूड मार्केट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। नाइट फूड मार्केट का मुआयना करते मंत्री अनिल विज। फोटो : हरिभूमि

परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने शनिवार सुबह गांधी ग्राउंड के साथ निर्माणाधीन नाइट फूड स्ट्रीट मार्केट का औचक निरीक्षण किया।

- मंत्री विज ने निर्माण कार्यों का जायजा लिया

यहां चल रहे उन्होंने निर्माण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने नगर परिषद अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान विज ने कहा कि नाइट फूड स्ट्रीट में हर राज्य के व्यंजन होंगे जिनका खान-पान के शौकीन लुत्फ उठा सकेंगे। उन्होंने बताया कि पूरी मार्केट वातानुकूलित होगी। यहां कुल 60 दुकानों का निर्माण किया जा रहा है जिनमें 40 शाकाहारी और 20 मांसाहारी होंगी।

पार्किंग सुविधा भी रहेगी

नाइट फूड स्ट्रीट में लोगों के बैठने के लिए कॉमन स्पेस का भी निर्माण किया जा रहा है। वाहनों को खड़ा करने के लिए नाइट फूड स्ट्रीट के ठीक साथ पार्किंग सुविधा भी बनाई जा रही है। ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज ने बताया कि नाइट फूड स्ट्रीट आगामी दो माह में बनकर तैयार होगी। दुकानों के अलॉट होते ही यहां पर देश के हर राज्य के व्यंजन खाने के लिए उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि मार्केट की डेकोरेशन व ब्यूटीफिकेशन की जाएगी ताकि यहां आने वाले लोगों को अच्छा महसूस हो। यहां पर ग्रेनाइट पत्थर का फ्लोर एवं अन्य प्रावधान भी किए गए हैं। गौरतलब है कि मंत्री के प्रयासों से गांधी ग्राउंड के साथ नाइट फूड स्ट्रीट का निर्माण नगर परिषद द्वारा किया जा रहा है। लगभग साढ़े 5 करोड़ रुपए की लागत से दो चरणों में इसका निर्माण किया जा रहा है। पहले चरण का कार्य खत्म हो चुका है। अब यहां दूसरे चरण में कार्य किए जा रहे हैं जिन्हें आगामी दो माह के भीतर खत्म करने का लक्ष्य तय किया गया है। नाइट फूड स्ट्रीट बनने से जहां लोगों को रोजगार मिलेगा। लोगों के बीच यह आकर्षण का केंद्र होगा जहां पर लोग विभिन्न किस्म के व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे।

» ट्रीटमेंट प्लांट लगेगा

ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज ने बताया कि नाइट फूड स्ट्रीट में ट्रीटमेंट प्लांट भी लगाया जाएगा। दुकानों से निकलने वाले वेस्ट खाद्य पदार्थों एवं पानी को ट्रीटमेंट प्लांट में ट्रीट करने के बाद इस पानी को नाले में फेंका जाएगा। इससे नाले में भी गंदगी नहीं डलेगी।

आस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर ठगे 19.45 लाख रुपये

- पुत्रवधू के मायके वालों पर पैसे हड़पने का लगाया आरोप
- पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ किया धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

पुत्रवधू को ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर गांव सनखेड़ा निवासी सोहनलाल से 19 लाख 45 हजार रुपए हड़प लिए गए। आरोप पुत्रवधू के मायके वालों पर लगा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद पांच आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

सोहनलाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके बेटे मनदीप सिंह की शादी 18 फरवरी 2022 को पंजाब के जिला पटियाला के गांव चांगरा रोड पातड़ा निवासी हरप्रीत कौर के साथ बिना दहेज के हुई थी। शादी से पहले हरप्रीत कौर के परिवार वालों ने उसे बताया था कि हरप्रीत कौर ने फामेर्सी की पढ़ाई और आईलाइट की हुई है। हरप्रीत कौर शादी के बाद उसके बेटे मनदीप सिंह को भी विदेश में ले जाएगी। आरोपियों के कहे अनुसार उन्होंने मनदीप सिंह का रिश्ता हरप्रीत कौर के साथ किया था। शादी के बाद हरप्रीत कौर के भाई गगनदीप सिंह, पिता जसविंदर सिंह, माता नीतू रानी तथा नानी महेंद्र कौर ने कहा कि वह विदेश भेजने के लिए हरप्रीत कौर की फीस देने में असमर्थ है। उन्होंने हरप्रीत कौर के वीजा की फाइल लगा दी है। उनकी एजेंट से बात हो गई है। वह एजेंट को अच्छी तरह से जानते हैं और ऑस्ट्रेलिया का स्टडी वीजा लगवा देगा। हरप्रीत कौर को ऑस्ट्रेलिया भेजने का जो भी खर्च आएगा वह उन्हें देना पड़ेगा। उसने आरोपियों पर विश्वास करके विदेश भेजने के नाम पर हां कर दी।

फाइल रिजेक्ट होने से नहीं जा पाई विदेश

इस प्रकार उसने आरोपियों को अलग-अलग करके करीब 19 लाख 45 हजार रुपए दे दिए मगर इस दौरान हरप्रीत कौर की फाइल रिजेक्ट हो गई और हरप्रीत कौर ऑस्ट्रेलिया नहीं जा पाई। जब उन्होंने आरोपियों से पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने पैसे देने से मना कर दिया। आरोपियों ने उन्हें झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर लिया है।

हर्बल पार्क बनाने पर ग्रीनमैन दलजीत सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत शुगर मिल परिसर में ग्रीनमैन के नाम से प्रसिद्ध देशबंधु गुप्ता राजकीय महाविद्यालय पानीपत में सहायक प्रोफेसर इतिहास के पद पर कार्यरत दलजीत कुमार ने लगभग दो एकड़ भूमि पर हर्बल ऑक्सीजन बाग का निर्माण किया है।

- पानीपत शुगर मिल में लगाए हैं 80 से भी अधिक पौधे

प्रो. दलजीत ने बताया कि इस बाग में विभिन्न प्रकार के आयुर्वेदिक और फ्रूट के ऑक्सीजन के पौधे रोपित किए गए है जिनमें तुलसी, गिलोय, अश्वगंधा, ब्राह्मी, आदि 80 से अधिक प्रकार के पौधे शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता को बढ़ावा देना, और स्थानीय समुदाय को औषधीय पौधों के महत्व के प्रति जागरूक करना है। इस सराहनीय कार्य के लिए पानीपत शुगर मिल के प्रबंध निदेशक मनदीप कुमार ने प्रो. दलजीत को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित कर कहा कि प्रो. दलजीत का यह प्रयास न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी है बल्कि यह प्राकृतिक चिकित्सा की ओर भी प्रेरित करता है।

पानीपत। शुगर मिल के एमडी मंदीप, ग्रीनमैन प्रो .दलजीत को सम्मानित करते हुए।

हरियाणा तक फैली थी नकली कीटनाशक के रैकेट की जड़ें

पानीपत। नकली कीटनाशक, रसायन, उर्वरक बेचने के आरोपी राजेंद्र चेनानी निवासी गांव बस्सी जिला चित्तौडगढ़, राजस्थान का काला कारोबार हरियाणा में भी फैला था। राजेंद्र को तेलंगाना पुलिस ने गिरफ्तार किया और उसके नकली कीटनाशक, रसायन, उर्वरक काले कारोबार का राजफाश किया। राजेंद्र, ये नकली नकली कीटनाशक, रसायन, उर्वरक असली ब्रांड की तरह पैक किए जाते हैं। राजेंद्र ये नकली कीटनाशक, रसायन, उर्वरक को हरियाणा के अधिकतर जिलों समेत दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में अपने

मारकंडा व बेगना नदी की हो खुदाई

सांसद ने पत्र भेजकर की मांग, कहा बरसाती सीजन में दोनों नदियां मचाती हैं तबाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

सांसद वरुण चौधरी ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के सचिव को पत्र लिख टांगरी नदी की तर्ज पर मारकंडा व बेगना नदी की खुदाई कराने व नदी किनारों पर बांध बनाने की मांग रखी। सांसद ने कहा कि मानसून के दौरान भारी बारिश के कारण इन दोनों नदियों के पास बसे गांव व खेतों को भारी नुकसान झेलना पड़ता है।

उन्होंने अपने पत्र में कहा कि दो साल पहले क्षेत्र में बाढ़ की मुख्य वजह ही इन नदियों की खुदाई न होना था जिसके कारण क्षेत्र को बहुत ज्यादा नुकसान हुआ। उनके द्वारा विधायक होते हुए विधानसभा में कई बार इन दोनों नदियों की खुदाई सहित गांव के नज़दीक बांध बनाने की मांग की गई थी लेकिन खुदाई को लेकर अब तक कोई कार्य नहीं हुआ। न ही कोई कार्रवाई अमल में लाई गई है। इसके कारण नदियों के आसपास बसे ग्रामीणों व किसानों को फिर से जान - माल के नुकसान का डर सता रहा है। सांसद ने कहा कि मारकंडा व बेगना नदी मानसून के दौरान भारी बारिश के कारण विनाशकारी बाढ़ लाती है। गांवों व किसानों की खेतों में खड़ी फ़सल सहित जान- माल सहित पशुधन को नुकसान पहुंचाती है। सांसद ने पत्र के माध्यम से मांग करते हुए कहा कि सरकार मारकंडा व बेगना नदी की खुदाई सहित जिस गांव के पास बांध नहीं बना है वहां पर बांध बनाने का कार्य जल्द से जल्द करवाने का काम करे ताकि मानसून के दौरान क्षेत्रवासियों कोई नुक़सान न हो।

करंट लगने से युवक की मौत पर परिजनों ने जताया रोष

- आश्वासन के बाद पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए परिजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

करंट लगने से युवक की मौत के बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाने को लेकर नागरिक अस्पताल में रोष जताया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। करीब दो घंटे के बाद परिजन किसी तरह से पोस्टमार्टम के लिए मान गए। मृतक की पहचान बलदेव नगर के 31 वर्षीय राकेश कुमार के रूप में हुई है। राकेश सुल्तानपुर में लेंटर की शटरिंग खोल रहा था। इसी दौरान गाटर उछल कर तारों से टकरा गया जिससे राकेश को करंट लग गया। उसके साथी मुकेश को भी करंट लगा। मगर नीचे कूद कर उसने किसी तरह से अपनी जान बचाई। फिलहाल मुकेश को नागरिक अस्पताल में भर्ती किया गया है। दोनों ही बिहार के सीतामढ़ी के रहने वाले हैं। दो वर्षों से वे यहां पर काम कर रहे थे।

किशोरी ने नहर में लगाई छलांग

- किशोरी को बचाने की कोशिश नाकाम, दो घंटे बाद शव बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल के उचाना नहर पुल पर एक 13 साल की लड़की ने नहर में छलांग लगा दी। परिजनों के मुताबिक, नाबालिग अचानक घर से भागकर गई थी।

बड़ी बहन ने उसका पीछा भी किया। पुल पर बड़ी बहन ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन नाबालिग ने खुद को छुड़ाते हुए बड़ी बहन को धक्का दिया और नहर में कूद गई। नहर में गिरते ही उसका सिर पुल के पिल्लर से टकराया और वह बेहोश होकर पानी में डूब गई। दो घंटे की तलाश के बाद शव को बाहर निकाला गया, लेकिन यह साफ नहीं हो पाया कि उसने ऐसा कदम क्यों उठाया। मृतका की पहचान करनाल की शिव कालोनी निवासी शानू के रूप में हुई है। शानू अपनी मां व बहन के साथ नानी के घर झिंझाड़ी गांव में रह रही थी।

घटना की सूचना मिलते ही गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची। अनिल और नीरज नामक गोताखोरों ने बताया कि शानू के नहर में गिरते ही उसे बचाने की कोशिश की गई, लेकिन वह सीधे पिल्लर से टकरा गई और पानी के अंदर ही बेहोश हो गई। जब वह पानी की सतह पर भी नहीं आई तो नहर के पानी का प्रेशर कम करवाया गया और फिर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

जांच में जुटी पुलिस

सूचना मिलने पर सदर थाना प्रभारी एसएचओ तरसेम चंद टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मृतका शानू का शव पोस्टमार्टम के लिए करनाल मोर्चरी हाउस भिजवाया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

युवक ने किशोरी के साथ की अश्लील हरकतें

यमुनानगर। सदर यमुनानगर थाना क्षेत्र के एक कॉलोनी में युवक ने 12 वर्षीय लड़की को सुनसान स्थान पर ले जाकर उसके साथ अश्लील हरकतें की। आरोपी ने लड़की के कपड़े उतारने का प्रयास किया। लड़की के शोर मचाने पर आरोपी वहां से भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आठ पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सदर यमुनानगर थाना क्षेत्र की कॉलोनी निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 12 वर्षीय लड़की परिवार के सदस्यों के साथ पीर के भंडारे में प्रसाद खाने के लिए गई थी। दोपहर को तीन बजे अनिकेत नामक युवक उसकी लड़की को घर छोड़ने के बहाने से बहला फुसला कर अपने साथ मोटरसाइकिल पर बिठाकर ले आया। इसके बाद आरोपी उसकी लड़की को योग आश्रम के रास्ते शमशान घाट के पास झाड़ियां में लेकर गया। जहां आरोपी ने उसकी लड़की के कपड़े उतारने का प्रयास किया और उसकी लड़की के साथ छेड़छाड़ की।।उसकी लड़की के शोर मचाने पर आरोपी वहां से भाग गया। उसकी लड़की ने घर जाकर घटना के बारे में बताया। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी अनिकेत के खिलाफ आठ पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

- पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ किया केस दर्ज

प्रदेशभर में हर्षोल्लास से मनाया गया बकरीद का त्यौहार

मस्जिदों में अमन-चैन के लिए मांगी गई दुआ

- त्याग, समर्पण और अल्लाह के प्रति प्रेम का प्रतीक है बकरीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

ईद-उल-अज़हा (बकरीद) का त्यौहार प्रदेशभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अंबाला शहर में सभी प्रमुख मस्जिदों हज़रत साई तवक्कल शाह, मस्ज़दि लक्खी शाह, मस्जिद मक्का, मस्जिद मदीना कोर्ट रोड अंबाला शहर, मस्जिद बादशाही बाग, मस्जिद नसीर-उल-ओलिया नसीरपुर, मस्जिद उस्मानी जंडली, मस्जिद ईदगाह में नमाज अता की गई।

साथ ही मुल्क में अमन व चैन के लिए भी दुआ की गई। नमाज अता करने के बाद अंजुमन इस्लाहुल मुस्लिमीन सोसायटी के जिला सदर सैयद अहमद खान ने सभी लोगों से ईद-उल-अज़हा (बकरीद) की मुबारकबाद दी। ईद-उल-अज़हा इस्लाम धर्म का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है जो त्याग, समर्पण और अल्लाह के प्रति प्रेम का प्रतीक है। यह हजरत इब्राहिम की कुर्बानी की याद दिलाता है। मुसलमानों को अल्लाह की राह में त्याग और समर्पण के महत्व को याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि इस्लाम में सिर्फ हक हलाल (मेहनत) से कमाए हुए पैसों से ही कुर्बानी जायज मानी जाती है। सहाबा ए इकराम ने हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलेही व सल्लम से फरमाया कि कुर्बानी क्या चीज़ है? तो हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलेही व सल्लम ने फरमाया के तुम्हारे जद्दे अमजद (परदादा) हजरत इब्राहिम की सुन्नत है। हजरत इब्राहिम अल्लाह तआला के बड़े सच्चे पक्के पैगंबर हैं लेकिन हजरत इब्राहिम के पास कोई औलाद नही थी। यहां तक कि उनकी उम्र 80 साल हो गई थी। हजरत इब्राहिम ने अल्लाह तआला से दुआ की कि मुझे नेक औलाद अता फरमा। अल्लाह तआला ने अपने पैगंबर की इस दुआ को कबूल फरमाया और नेक औलाद अता फरमाई। यानि अल्लाह तआला ने हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम को हजरत इस्माइल अता फरमाए। जब हजरत इस्माइल अपने अब्बा के साथ कामकाज में हाथ बंटाने लगे।

अंबाला। बकरीद के मौके पर नमाज अता करते मुस्लिम।

तर्क और कुर्बानी की मिसाल दी थी

हजरत इब्राहिम ने खवाब (सपना) देखा कि अल्लाह तआला ने फरमाया कि ऐ इब्राहिम हमारे रास्ते में वो चीज कुर्बान करो जो तुम्हें सबसे ज्यादा प्यारी हो तो हजरत इब्राहिम अपने बेटे हजरत इस्माइल को ले कर उस जगह पहुंचे जहां पर कुर्बानी देनी थी। जब हज़रत इस्माइल को कुर्बान करना शुरू किया तो फरिश्तों के सरदार हजरत जिब्रील अली सलाम ने हजरत इब्राहिम के बेटे को हटाकर उस छुरी के नीचे मेमने (बकरा) के जिबह होने के साथ पहली कुर्बानी हुई। इस याद को ताजा करने के लिए यह त्यौहार हजरत इब्राहिम के जरिए अपने बेटे हजरत इस्माइल की अल्लाह की राह में कुर्बानी देने की याद में मनाया जाता है जिसका जिक्र मुकददस कुरान में है। तर्क और कुर्बानी की इसी मिसाल की याद में मुसलमान मक्का मुकर्रमा में हज का फरीजा अदा करते हैं।

युवक ने महिला के कानों से झपटी सोने की बालियां

- पुलिस ने अज्ञात युवक के खिलाफ किया केस दर्ज
- दुकान पर सामान खरीदने आई थी पीड़ित महिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

थाना सदर जगाधरी एरिया के गांव महमूदपुर में करियाने की दुकान पर सामान लेने आए युवक ने महिला के कानों से सोने की बालियां झपट ली। बोलियों की कीमत करीब 50 हजार रुपए है। पुलिस ने पीड़ति महिला की शिकायत के बाद अज्ञात युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार गांव महमूदपुर निवासी मामकौर ने बताया कि गांव के मेन रोड पर उसकी करियाने की दुकान है। छह जून को एक लड़का दुकान पर आया। उसने कोल्ड ड्रिंक मांगी। आरोपी ने उसे सौ रुपये दिए। जब वह फ्रिज से बोतल निकालने के लिए झुकी, तभी लड़के ने पीछे से आकर उसके कानों से सोने की बालियां झपट लीं और वहां से भाग गया। शोर सुनकर बहू कुसुमलता ने दौड़ कर उसका पीछा किया। सड़क किनारे पहले से एक लड़का बाइक स्टार्ट कर खड़ा था। दोनों लड़के बाइक पर सवार होकर जगाधरी की ओर भाग गए। बाइक का नंबर नोट नहीं हो सका। मामकौर ने बताया कि वह बदमाशों को सामने आने पर पहचान सकती है। छीनी गई बालियां करीब 14 साल पुरानी थीं। वजन लगभग साढ़े सात ग्राम था। महिला ने इनकी कीमत 50 हजार रुपये के लगभग बताई है। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

खबर संक्षेप

यमुनानगर। ग्लोबल शिक्षण संस्थान के विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण के दौरान दार्शनिक स्थालों का आनंद लेते हुए।

शैक्षणिक भ्रमण कर छात्रों ने जाना व्यावहारिक अनुभव

यमुनानगर। ग्लोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी नाचरौन (रादौर) द्वारा बी.फार्मेसी तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए दार्शनिक स्थलों के शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस दौरान शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने उत्तराखंड के देहरादून में स्थित दार्शनिक स्थलों का भ्रमण कर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। संस्थान के बी.फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अश्वनी ढ़ींगरा ने बताया कि बी. फार्मेसी के तृतीय समेस्टेर के विद्यार्थियों का ज्ञान वर्धन करने के लिए उनका देहरादून स्थित दार्शनिक स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया।

शादी का झांसा देकर युवती को किया अगवा

यमुनानगर। शहर जगाधरी थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी से युवक शादी का झांसा देकर युवती को अगवा करके ले गया। पुलिस ने युवती के परिजनों की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जगाधरी की एक कालोनी निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 23 वर्षीय लड़की छह जून को सुबह 11 बजे किसी काम से घर से बाहर गई थी मगर उसके बाद वापस नहीं लौटी।

यमुनानगर। जगाधरी में एनसीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम में कैडेट्स को संबोधित करते एनसीसी अधिकारी।

एनसीसी कैडेट्स को जीवन में अनुशासन के प्रति प्रेरित किया

यमुनानगर। 14 हरियाणा बटालियन एनसीसी द्वारा जगाधरी स्थित कैरियर डिफेंस में आयोजित किए जा रहे दस दिवसीय एनसीसी प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन शनिवार को कैडेटस को जीवन में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता व आत्मविश्वास के प्रति प्रेरित किया गया। इस दौरान कैंप कमांडेंट कर्नल जरनैल सिंह और डिप्टी कैंप कमांडेंट कर्नल जितेंद्र दहिया ने कैडेटस को एनसीसी के महत्व से अवगत करवाया गया। शिविर में 525 कैडेट्स भाग ले रहे हैं।

पतंजलि योग समिति की बैठक आज

रादौर। ग्यारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के अंतर्गत पतंजलि योग समिति व भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन रविवार को शाम तीन बजे रादौर के आर्य समाज भवन में किया जा रहा है। बैठक में योग दिवस की तैयारियों पर विचार विमशर्म किया जाएगा। पतंजलि योग समिति रादौर के तहसील प्रभारी व सदस्य अमित कांबोज, जगमाल सिंह रतनगढ़ व गुरदयाल सैनी ने जानकारी दी है।

सेवाभाव: मीठे पानी की छबील लगाकर लोगों की प्यास बुझाई

▶▶ शहर के जगाधरी वर्कशॉप मार्ग पर लगाई छबील ▶▶ श्रद्धालुओं ने राहगिरों को मीठा जल पिलाकर कमाया पुण्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

शहर के जगाधरी वर्कशॉप मार्ग पर शनिवार को श्रद्धालुओं ने छबील लगाकर राहगिरों को मीठा ठंड जल पिलाकर उनकी प्यास बुझाई। इस दौरान राहगिरों को गर्मी से ठंडक दिलाने का प्रयास किया गया। वहीं, श्री जी सेवा ट्रस्ट एवं सृष्टि जनकल्याण समिति के सदस्यों ने संजय विहार कॉलोनी में छबील लगाई और पौधारोपण किया। श्रद्धालु विवेक, अंकित, राकेश, राजीव व बंटी आदि ने बताया कि पिछले कई दिन से लगातार गर्मी का प्रकोप बढ़ रहा है। जिस कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दोपहर को धूप व गर्मी का प्रचंड रूप देखते हुए उन्होंने मीठे पानी की छबील लगाने का निर्णय लिया। शनिवार को सुबह से लेकर शाम तक छबील लगाई गई। छबील में राहगीरों को रोक-रोककर ठंडा व मीठा पानी पिलाया गया। जिसकी सभी ने सराहना की। श्रद्धालुओं ने बताया कि गर्मी के दौरान लोगों को मीठा पानी पिलाने से पुण्य की प्राप्ति होती है। जो कि अनमोल है। उन्होंने बताया कि जो लोग छबील पर आने में असमर्थ दिखाई दिए, उन्हें बोतलों में भरकर मीठा पानी वितरित किया गया।

संजय विहार कॉलोनी में श्रद्धालुओं को पिलाया मीठा जल: श्री जी सेवा ट्रस्ट एवं सृष्टि जनकल्याण समिति के सदस्यों ने संजय विहार कॉलोनी में छबील लगाकर राहगिरों को मीठा जल पिलाकर पुण्य कमाया। मौके पर कमेटी के सदस्यों द्वारा फलदार वृक्षों का पौधा रोपण भी किया गया। मौके पर वार्ड नंबर 22 की पार्षद रुचि शर्मा, नीरज कालड़ा, नीरु चौहान, मीनू चस्वाल, इंदु गुप्ता, सुधीर गुप्ता, रविन्द्र कांबोज, बृज भूषण शर्मा, विकास कुमार व सोनी कुमार आदि मौजूद रहे।

यमुनानगर। जगाधरी वर्कशॉप मार्ग पर छबील लगाकर मीठे पानी से राहगिरों की प्यास बुझाते श्रद्धालु। रादौर में कॉलेज मार्ग पर छबील लगाकर पानी पिलाते हुए श्रद्धालु।

रादौर: कॉलेज मार्ग पर छबील लगाकर पिलाया मीठा जल

- गर्मी में मीठे जल की सेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

रादौर के कॉलेज मार्ग पर रविवार को शर्मा परिवार व अन्य श्रद्धालुओं ने छबील लगाकर राहगिरों को ठंडा मीठा जल पिलाकर पुण्य कमाया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने राहगिरों को रोक रोक कर सुबह दस बजे से लेकर शाम चार बजे तक मीठा जल पिलाया।

श्रद्धालु सेवाराम, सोमप्रकाश शर्मा व प्रदीप शर्मा आदि ने बताया कि शनिवार को गर्मी की तपिश में राहगिरों के लिए मीठे ठंडे जल की छबील लगाई गई। उन्होंने कहा कि इस गर्मी के मौसम में छबील लगाने से जहां राहगीरो को गर्मी से राहत दिलाने का पुण्य मिलता है। वहीं, मानव सेवा करने का मौका मिलता है।

उन्होंने कहा कि हम सभी को मानव सेवा करने के लिए आगे आना चाहिए। मानव सेवा ही नारायण सेवा है। भयंकर गर्मी में लोगों को थोडी राहत पहुंचाने के उद्देश्य से मीठे पानी की छबील लगाई गई है। इस अवसर पर पार्षद राजीव आर्य,विजय शर्मा, तनिश, आर्यन, देवांश, अभिरल, दिनेश आर्य, सोम प्रकाश, अंशिका व वंशुका आदि मौजूद रहे।

यमुनानगर। छछरौली इलाके में सोमनदी पर चल रहे बाढ़ बचाव का औचक निरीक्षण करते हुए उपायुक्त पार्थ गुप्ता।

उपायुक्त ने बाढ़ बचाव के कार्यों का किया निरीक्षण

मानसून से पहले बाढ़ बचाव के कार्य करें पूरा

- उपायुक्त ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बरसाती सोमनदी में चल रहे बाढ़ बचाव के कार्यों को देखा
- निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

जिला प्रशासन द्वारा खंड छछरौली के गांव शेरपुर व खंड व्यासपुर के गांव खान्नुवाला,चिंतपुर व छछरौली पुल के पास सोमनदी पर तेजी से बाढ़ राहत कार्यों को किया जा रहा है। इन कार्यों का उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त पार्थ गुप्ता सिंचाई विभाग के अधिकारियों को मानसून आने से पहले 20 जून तक बाढ़ बचाव के सभी कार्यों को पूरा करवाने के निर्देश दिए। उपायुक्त पार्थ गुप्ता के निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि गांव लोपो, लेदी, तिहानो, खानपुर, ऊर्जनी, बलोली, नाहर ताहरपुर, हडोली आदि गांवों में बरसात के समय पानी भर जाता है। उन्होंने खान्नुवाला व चिंतपुर के पुलों के नीचे सफाई करवाए जाने की मांग की। ताकि बरसात का पानी आसानी से निकल सके। मौके पर उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को बरसात के समय जिन गांवों में पानी भर जाता है उन गांवों में पानी की निकासी का बरसात होने से पहले उचित प्रबंध किए जाने के निर्देश दिए। मौके पर एसडीएम छछरौली रोहित कुमार, एसडीएम बिलासपुर जसपाल सिंह गिल, सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता आरएस मित्तल, कार्यकारी अभियंता विनोद कुमार, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार, नंबरदार सुमेर चंद, किसान संदीप, राकेश कुमार, राजेश व गुलाब सिंह आदि मौजूद रहे।

चोरों ने तीन स्थानों से चुराया लाखों का सामान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

जिले में चोरों ने तीन स्थानों को निशाना बनाकर लाखों रुपये का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने तीनों मामलों की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। शिवपुरी बी कॉलोनी निवासी हितेश ने शहर थाना पुलिस को शिकायत दी है कि उनके ताया का मकान शिवाजी पार्क में है। उसके ताया चार साल से उसके परिवार के साथ रह रहे हैं। वे पैरालिसिस के मरीज हैं। ताई शिवाजी पार्क वाले मकान में अकेली रहती थीं। 15 दिन पहले तबीयत बिगड़ने पर हितेश और उनके पिता उन्हें अपने घर ले आए थे। 26 मई को ताई का निधन हो गया। इसके बाद शिवाजी पार्क वाला मकान खाली हो गया था। पांच जून की शाम जब वहां पहुंचे तो देखा कि घर के सभी ताले टूटे हुए थे। उन्होंने तुरंत 112 पर सूचना दी। घर से एलईडी , करीब 10 किलो पुराने पीतल के बर्तन, 10 किलो तांबे के बर्तन, 15 हजार रुपये नकद, एक जोड़ी सोने की बालियां, दो लेडीज सोने की अंगूठियां, एक एफडी और कुछ जरूरी कागजात चोरी हो गए। हितेश ने बताया कि चोरी किसने की, इसका कोई पता नहीं है। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

दुकान से 4 कॉपर रिले चोरी

यमुना गली निवासी संदीप कुमार शर्मा ने बताया कि उसकी राणा मार्केट स्थित संदीप हैवी इलेक्ट्रिक वर्क्स के नाम से दुकान है। वह 5 जून की रात दुकान बंद कर घर चला गया था। अगले दिन वर्कशॉप में काम करने वाले जितेंद्र ने उसको फोन कर बताया कि दुकान का शटर उखड़ा हुआ है। सामान बिखरा पड़ा है। चोरी की सूचना पर वह तुरंत मौके पर पहुंचा। उसने देखा कि आसपास के लोग भी दुकान के बाहर जमा है। उन्होंने दुकान में अंदर जाकर देखा तो सामान अस्त व्यस्त था। फर्श पर सामान बिखरा हुआ था। दुकान से लाखों रुपये की कीमत का सामान गायब है। उसने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया। जांच में पाया कि दुकान से करीब 4 कॉपर रिले गायब हैं। संदीप ने अज्ञात चोर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

निमार्णाधीन मकान को खंगाला

थाना गांधी नगर एरिया की मोतीबाग बैंक कॉलोनी में निमार्णाधीन मकान से चोरी हो गई। कॉलोनी निवासी अमंत कुमार ने बताया कि वह 21 मई को उत्तर प्रदेश किसी काम से गए थे। 5 जून को लौटे। लौटने के बाद जब वह अपने निमार्णाधीन मकान में पहुंचे तो देखा कि वहां से एसी के पाइप, बिजली की तार और 2-3 टोंटियां गायब थीं। मकान में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। फुटेज चेक करने पर पता चला कि 26 मई की रात दो अज्ञात लोग दीवार फांदकर अंदर घुसे। उन्होंने सामान चुराया और भाग गए। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

शहीद भगत सिंह चौक का 15.65 लाख से होगा सौंदर्यीकरण

30 अगस्त तक शहरवासियों को नए चौक की सौगात मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

शहर के सबसे मुख्य भगत सिंह चौक का 15.65 लाख की लागत से सौंदर्यीकरण होगा। नगर निगम द्वारा पुराने चौक को तोड़ दिया गया है। अब नए चौक का निर्माण किया जाएगा। 30 अगस्त तक शहरवासियों को नए चौक की सौगात मिलेगी। यह चौक पुराने चौक से सुंदर और आकर्षक बनेगा। चौक के साथ यहां लाइट की व्यवस्था भी होगी। उक्त जानकारी नगर निगम मेयर सुमन बहमनी ने दी। मेयर सुमन बहमनी ने बताया कि शहर को सुंदर, साफ व आकर्षक रूप देने के लिए नगर निगम प्रयासरत है। जल्द ही शहर के सभी चौकों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसी कड़ी में शहर के शहीद भगत सिंह चौक अर्थात फव्वारा चौक के सौंदर्यीकरण का कार्य निगम द्वारा शुरू कर दिया गया है। 15 लाख 65 हजार रुपये की लागत से बनने वाले शहीद भगत सिंह चौक का गत नौ जनवरी को विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने शिलान्यास किया था। अब चौक के नव निर्माण का कार्य नगर निगम द्वारा शुरू कर दिया गया है। यह चौक अब सात मीटर की परीधि में बनाया जाएगा। पहले चौक की बजाए इसे सुंदर और आकर्षक रूप दिया जाएगा। जिससे यहां से निकलने वाले लोगों को और भी आकर्षक और सुविधाजनक माहौल मिल सके। इस परियोजना से शहर की सुंदरता में वृद्धि होगी और नागरिकों को एक नया अनुभव मिलेगा। मेयर सुमन बहमनी ने बताया कि हमारा प्रयास शहर को सुंदर, व्यवस्थित और बेहतर बनाना है। आमजन की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए हम शहर को सुंदर बनाने में लगे हुए हैं। शहीद भगत सिंह चौक के बाद महाराणा प्रताप चौक, मधु चौक व प्यारा चौक व अन्य चौकों को सुंदर व आकर्षक रूप दिया जाएगा।

यमुनानगर। नगर निगम यमुनानगर प्रशासन ने शहर के पुराने शहीद भगत सिंह चौक का तुड़वाकर शुरु किया सौंदर्यीकरण का कार्य।

भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार पर लगाया अंकुश: घनश्याम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रादौर

भाजपा सरकार में सभी गांवों का एक समान विकास करवाया जा रहा है। जब से भाजपा सरकार बनी है तब से भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है। उक्त दावा भाजपा मंडल रादौर के सचिव घनश्याम सैनी व डॉ. शुभम राजन ने जताया है। भाजपा मंडल सचिव घनश्याम सैनी व डॉ. शुभम राजन ने शनिवार को जनसंपर्क के दौरान रादौर में बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने जहां भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया है। वहीं, गलत तरीके से बीपीएल कार्ड का लाभ लेने वालों पर शिकंजा कसा गया है। उन्होंने बताया कि लाखों की संख्या में बीपीएल कार्ड से राशन लेने वाले लोगों के बीपीएल काटकर जरूरतमंद तक लाभ पहुंचाने का कार्य भाजपा सरकार में संभव हो पाया है। भाजपा सरकार में सभी प्रकार की सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे जरूरतमंदों के खातों में दिया जा रहा है। भाजपा सरकार ने सरकारी नौकरी के साथ साथ युवाओं को स्वयं रोजगार करवाने के उद्देश्य से ऋण बिना गारंटी के आसानी से दिया जा रहा है। पहले युवाओं को ऋण के लिए ठोकरें खानी पड़ती थी।

भाजपा मंडल सचिव घनश्याम सैनी व डॉ. शुभम राजन सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए।

नमाज अता करते हुए मुस्लिम समुदाय के लोग

मुस्लिम समुदाय ने धूमधाम से मनाया कुर्बानी का पर्व ईद-उल-अजहा

- जिलेभर में नमाज अता कर एक दूसरे को दी ईद की बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

मुस्लिम समुदाय के लोगों ने शनिवार को इस्लाम धर्म में कुर्बानी के पर्व ईद-उल-अजहा को जिले भर में उल्लास और धूमधाम से मनाया। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोगों ने ईदगाहों व मस्जिदों में जाकर नमाज अदा की और एक दूसरे को गले लगकर ईद की मुबारकबाद दी। हिंदू समुदाय के लोगों ने भी मुसलिम समुदाय के लोगों के गले लगकर उन्हें ईद की मुबारकबाद दी। शनिवार सुबह से ही शहर की जामा मस्जिद समेत छछरौली, खिजराबाद, कोट, कोट कलसिया, रादौर, नगली, बुड़यिा, मानकपुर आदि जगहों पर बनी मस्जिदों व ईदगाहों में नमाज अता करने के लिए मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हजारों की संख्या में एकत्रित होकर नमाज अदा की। इसके बाद सभी ने एक-दूसरे के गले लगकर सभी को ईद की बधाई दी। इस मौके पर छोटे बच्चों ने मस्जिदों के बाहर लगी दुकानों पर जमकर खरीददारी की। ईद उल जुहा के मौके पर कई स्थानों पर दंगल का आयोजन भी किया गया।

ईद-उल-अजहा कुर्बानी का पर्व

जामा मस्जिद यमुनानगर में नमाज अदा करने पहुंचे इकराम, कुर्बान, फुरखान व साजिद आदि ने बताया कि इस्लाम धर्म में ईद-उल-अजहा कुर्बानी का पर्व है। इस दिन सबसे पहले मस्जिदों व ईदगाहों में जाकर नमाज अदा की जाती है। इसके बाद बकरे या भेड़ की कुर्बानी दी जाती है। उन्होंने बताया कि इस्लाम मजहब में कुर्बानी को बहुत अहमियत हासिल है। यही वजह है कि ईद-उल-अजहा के मुबारक मौके पर मुसलमान अपने रब को राजी और खुश करने के लिए कुर्बानी देते हैं। इस्लाम धर्म की मान्यताओं के मुताबिक एक बार अल्लाह ने हजरत इब्राहिम की आजमाइश के तहत उनसे अपनी राह में उनकी सबसे प्रिय चीज कुर्बान करने का हुक्म दिया। अल्लहा के हुकम पर हजरत इब्राहिम अपने सबसे प्यारे बेटे की कुर्बानी देने पर राजी हो गए।

अभियान उप निरीक्षक कुसुम ने शहर के चौक चौराहों पर वाहन चालकों को किया जागरुक

वाहन चलाते समय यातायात नियमों का करें पालन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

जिला में चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा अभियान के तहत यातायात पुलिस ने शनिवार को शहर के चौक चौराहो पर महिला सुरक्षा व यातायात के नियमों की पालना के लिए वाहन चालकों समेत युवा वर्ग को जागरुक किया। इस दौरान यातायात पुलिस में तैनात उप निरीक्षक कुसुम के नेतृत्व में यातायात पुलिस कर्मचारियों ने वाहन चालकों को यातायात के नियमों के प्रति जागरुक किया।

उप निरीक्षक कुसुम ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया के मार्गदर्शन में ट्रैफिक पुलिस में तैनात उप निरीक्षक कुसुम ने स्कूली बच्चों, महिलाओं के साथ होने वाले अपराध पर अंकुश लगाने के लिए वाहन चालकों समेत अन्य लोगों को जानकारी दी। उन्होंने चौक चौराहों से गुजरने वाले स्कूली बच्चों, महिलाओं व अन्य वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना करने के लिए जागरुक किया। उप निरीक्षक कुसुम ने कहा कि महिलाओं के साथ होने वाली किसी प्रकार की आपराधिक घटना से बचाव के लिए पुलिस हमेशा आप के साथ है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस विभाग द्वारा दुर्गा शक्ति एप्प लांच की गई है। दुर्गा शक्ति एप्प का लाल बटन दबाने से पुलिस मदद मिलेगी। इसलिए महिलाएं खुद को दुर्गा शक्ति एप्प पर रजिस्टर कर लें। महिला विरुद्ध होने वाले अपराधो की सूचना किसी भी थाना के महिला हैल्प डेस्क, महिला थाना, महिला हैल्पलाईन नम्बर 1091 या डायल 112 पर दी जा सकती है। सूचना पर पुलिस तुरन्त करवाई करेगी। घटना के समय घबराने के बजाए हिम्मत से काम लेते हुए तत्काल हेल्पलाइन पर फोन कर अपनी समस्या बताएं। पुलिस के सरकारी नंबरों पर भी फोन कर मदद लेने में संकोच न करें। उन्होंने सभी से जरूरी सहायता नंबर की डायरी हमेशा अपने साथ लेकर ही बाहर निकलने की सलाह दी। उप निरीक्षक कुसुम ने सड़क सुरक्षा अभियान के तहत जागरूक करते हुए यातायात नियमों का पालन करना नहीं भूलने की अपील की। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनकर वाहन चलाने और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाने के लिए आवहान किया। उन्होंने वाहन चालकों को चौराहा पार करते समय वाहन धीमी गति और अपनी साइड का ध्यान रखकर चलाएं।

यमुनानगर। चौराहों पर यातायात के नियमों की पालना करने के लिए जागरुक करते हुए उप निरीक्षक कुसुम व अन्य। फोटो: हरिभूमि

बाजारों में पेय पदार्थों की बढ़ी डिमांड

गर्मी ने दिनभर किया परेशान, सड़कें दिखी विरान

- अधिकतम तापमान 37 डिग्री दर्ज किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

गर्मी के तल्ख तेवर लोगों के होश उड़ा रही हैं। शनिवार को झुलसाने वाली तेज धूप ने लोगों को घर में ही रहने को मजबूर कर दिया। दोपहर के समय ाहर की सड़कें भी वीरान रहीं। जो लोग किसी जरूरी कार्य से बाहर निकले, उन्हें गर्म हवा के थपेड़ों ने खूब परेशान किया।

जून का महीना शुरू होते ही लगातार बढ़ गर्मी ने लोगों का दिन का चैन और रात की नींद उड़ा रखी है। सुबह से ही तेज धूप लोगों के पसीने छुड़ा रही है। शनिवार को भी सुबह से ही तेज धूप के चलते लोग घरों के बाहर कम ही निकले। गर्मी की वजह से सड़कें सुनसान पड़ी रही। दुकानदार भी ग्राहकों का इंतजार करते नजर आए। ई-रिक्शा और आटो चालक छायादार स्थानों पर खड़े होकर सवारियों का इंतजार करते हुए देखे हुए। दो पहिया वाहनों पर यात्रा करना भी मुश्किल हो गया। तेज धूप और गर्म हवा के थपेड़ों से बदन झुलसने लगा। लोग धूप से बचने के लिए गमछा सिर पर ओढ़े हुए दिखाई दिए। कूलर और पंखा में भी राहत नहीं मिल पा रही थी। गर्मी से हलक सूखने लगा है। बाजार में शीतल पेय की मांग बढ़ गई है। किसी जरूरी कार्य के लिए घरों से निकले लोग अपने आप को अच्छी तरह कपड़े से ढक कर निकले। इस दिनों गर्मी इतनी ज्यादा बढ़ गई है पंखे और कूलर की हवा में भी लोगों को चैन नहीं मिल रहा है। शनिवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री दर्ज किया गया।

ठंडे-मीठे जल की छबील लगाकर बुझाई राहगीरों की प्यास

कुरुक्षेत्र। माया चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा सेक्टर 3 में मीठे पानी की छबील लगाई। धार्मिक दृष्टि से अगर देखे तो छबील लगाकर सूर्य देव भगवान को प्रसन्न किया जाता है। ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉक्टर सीमा ने बताया कि आज के दिन छबील लगाने से पुण्य की प्राप्ति होती है और दूसरों की प्यास बूझकर स्वयं को भी आत्म संतुष्टि प्राप्त होती है हम सभी को भी इस प्रकार के कार्य करते रहने चाहिए जिससे हमारे अंदर भी परोपकार की भावना बढ़ती है। विशेष रूप से समाजसेवी रमिंद्र सिंह और बलवान सिंह उपस्थित रहे। रमिंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि डॉ सीमा ने छबील का आयोजन कर पुण्य का कार्य रही है क्योंकि भीषण गर्मी में प्यासे को पानी पिलाना बहुत ही पुण्य का कार्य है। साथ में मौलक सिंह और अर्जुन भी उपस्थित रहे।

अग्रवाल सभा व अखंड सेवा समिति की ओर से कुल्फियां एवं मीठा शरबत की लगाई छबील

पिहोवा। गर्मी के चलते एंव निर्जला एकादशी के मौके पर नगर की अनेक धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं द्वारा शहर में जगह- जगह ठंडा मीठे शरबत की छबील लगाई गई थी। इसी श्रंखला में अग्रवाल सभा की ओर से भी सरस्वती मंदिर के बाहर कुल्फियां एवं मीठा शरबत बांटा गया। सभा के प्रधान तरसेम गर्ग एवं संरक्षक जितेंद्र बंसल टोमी की देखरेख में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधान तरसेम गर्ग ने कहा कि निर्जला एकादशी बेहद महत्वपूर्ण है। सनातन धर्म में इसकी बड़ी मान्यता है। इस दिन हर व्यक्ति को अपने स्तर पर दान पुण्य करना चाहिए। इतनी भीषण गर्मी में लोगों को एक जगह से चलकर दूसरी जगह पहुंचने में ही पसीने छूट जाते हैं। ऐसे में राहगीरों की सेवा के लिए कुल्फी और पानी का वितरण किया गया। तरसेम गर्ग ने बताया कि अग्रवाल सभा समय समय पर समाजसेवा के कार्य करती रहती है। इससे पहले चिकित्सा शिविर, कोरोना महामारी में मास्क, जरूरतमंद लोगों को राशन व कपड़े आदि बाँटना आदि अनेकों समाजसेवा के कार्य किये गए।

खबर संक्षेप

ऑल इंडिया पत्रकार एकता संघ ने लगाई छबील

कुरुक्षेत्र। धर्मनगरी में शनिवार को ऑल इंडिया पत्रकार एकता संघ की ओर से रेलवे रोड थानेसर स्थित पंजाब फामेर्सी पर ठंडे व मीठे पानी की छबील लगाई गई। जिसमें राहगीरों ने ठंडा शर्बत पीकर भीषण गर्मी से निजात पाई। पत्रकार एकता संघ के सदस्य व पदाधिकारी आते-जाते लोगों को शरबत पिलाते नजर आए। जिला प्रधान सुरेन्द्र कुमार कौशिक के अनुसार निर्जला एकादशी सनातन धर्म में महत्वपूर्ण एकादशी है।

डॉ शिवेंदु मास्टर ट्रेनर के रूप में चयनित

कुरुक्षेत्र। उप उष्ण कटिबंधीय फल केंद्र लाडवा के फल विशेषज्ञ डॉ शिवेंदु प्रताप सिंह सोलंकी को इजराइल दूतावास और भारत सरकार द्वारा इंडो-इजराइल कृषि परियोजना के लिए प्रशिक्षण और विकास परियोजनाओं के लिए मास्टर ट्रेनर के रूप में नामित और चयनित किया गया है। डा. शिवेंदु प्रताप वर्ष 2020 से केंद्र पर अपनी सेवाएं दें रहे हैं और किसानों के हित के लिए निरंतर प्रयासरत है।

पतंजलि योगपीठ की तरफ से 500 योग साधक पहुंचेंगे घर-घर

पीले चावल देकर योग महाकुंभ के लिए दिया जाएगा निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डा. जयदीप आर्य ने कहा कि प्राचीन परम्परा को जहन में रखते हुए कुरुक्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को घर-घर जाकर निमंत्रण दिया जाएगा। इस निमंत्रण के साथ प्रत्येक नागरिक को शुभ कार्य के प्रतीक के रूप में पीले चावल भी दिए जाएंगे। अहम पहलू यह है कि पतंजलि योगपीठ के योग साधकों द्वारा इस कार्य को पूरा किया जाएगा। इस कार्य के लिए पतंजलि योगपीठ के 500 से ज्यादा योग साधक इस लक्ष्य को पूरा करेंगे। चेयरमैन डा. जयदीप आर्य ने बातचीत करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन धरा को 21 जून के बाद योग की पावन धरा के रूप में भी जाना जाएगा। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 को लेकर ब्रह्मसरोवर और मेला क्षेत्र में राज्य स्तरीय योग महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। इस योग महाकुंभ में एक लाख योग साधक योग की डुबकी लगाएंगे। इस महाकुंभ को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल करने के प्रयास भी सभी मिलकर करेंगे। इस बार कुरुक्षेत्र के एक-एक घर में पहुंच कर लोगों को योग महाकुंभ के लिए निमंत्रण देने के संकल्प को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पतंजलि योगपीठ के योग साधकों ने संकल्प लिया है कि कुरुक्षेत्र के घर-घर जाकर लोगों को निमंत्रण दिया जाएगा। इसके लिए पतंजलि योगपीठ के 500 योग साधक भी कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर पहुंच चुके है। इतना ही नहीं 200 से ज्यादा योग साधकों ने शाहबाद, लाडवा और इस्माइलाबाद में घर-घर जाकर निमंत्रण देने का कार्य शुरू कर दिया गया है। यह योग साधक शुभ कार्य के प्रतीक पीले चावल भी लोगों को दे रहे है। इस योगपीठ ने लक्ष्य तय किया है कि कुरुक्षेत्र से 40 हजार से ज्यादा लोगों को पतंजलि योगपीठ के माध्यम से योग दिवस के लिए आमंत्रित किया जाए।

कुरुक्षेत्र। योग महाकुंभ के लिए निमंत्रण देते योग साधक।

कुरुक्षेत्र के 400 गांव में योग का देंगे प्रशिक्षण

चेयरमैन डा. जयदीप आर्य ने कहा कि पतंजलि योगपीठ की तरफ से कुरुक्षेत्र के 400 गांव और शहरों के वार्डों में लोगों को योगा का प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सभी नागरिक प्रशिक्षित होकर ही योग करे। इसके लिए पतंजलि योगपीठ की तरफ से हर गांव व वार्ड में योग प्रशिक्षण शिविर लगाए जाएंगे और पूरे हरियाणा से योग प्रशिक्षक कुरुक्षेत्र पहुंच चुके है।

विधायक ने सुनीं जनता की समस्याएं

- एक दर्जन गांवों में किया धन्यवादी दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

थानेसर से कांग्रेस विधायक एवं पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा ने आज थानेसर हल्के के लगभग एक दर्जन गांव का धन्यवादी दौरा करके जहां उन्हें पांचवीं बार विधायक बनाने के लिए गांव वासियों का धन्यवाद किया, वहीं गांव वासियों की समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को फोन करके जल्द समस्याएं निपटाने के आदेश दिए। धन्यवादी दौरे के तहत गांवों में पहुंचने पर ग्रामीणों ने फूल मालाओं से विधायक अशोक अरोड़ा का स्वागत किया। गांव बगथला में लोगों ने उनके सामने अपनी समस्याएं रखी, विधायक अशोक अरोड़ा ने अधिकारियों को ग्रामीणों के सामने ही फोन कर समस्याओं का निपटारा करने के आदेश दिए। अशोक अरोड़ा ने गांव नरकातारी, जोगनाखेड़ा, दबखेड़ी, बलाही, बगथला, समसपुर, मुंडाखेड़ा, इन्दबडी, ज्योतिसर, रावगढ़ और बाहरी गांव में धन्यवादी दौरा करके ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। इस अवसर पर उनके साथ सुभाष पाली, रणबीर बूरा, सुरेंद्र सैनी भिवानीखेड़ा, टेकचंद बारना, चंद्रभान वाल्मीकि, सुभाष मिजापुर तथा सतीश टामक सहित अनेक कांग्रेसी नेता मौजूद रहे। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए विधायक अशोक अरोड़ा ने कहा कि गांव वासियों के सामने बिजली और जल निकासी जैसी समस्याएं प्रमुख रूप से हैं। मानसून का सीजन आ रहा है लेकिन अभी तक नालों की सफाई नहीं हुई। बिजली के खंभे उखड़े पड़े हैं, उन्होंने अधिकारियों को इन सभी समस्याओं को समाधान करने के निर्देश दिए।

सीएम के नवनियुक्त मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी ने जताया मुख्यमंत्री नायब सैनी का आभार

कुरुक्षेत्र। सीएम के नवनियुक्त मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का कबीर कुटीर चंडीगढ़ आवास पहुंचकर आभार जताया।

उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नवनियुक्त मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी को मिठाई खिलाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं युवा पत्रकार तुषार सैनी को मुख्यमंत्री नायब सैनी का मीडिया कोऑर्डिनेटर बनाए जाने के फैसले से कुरुक्षेत्र के पत्रकार संगठनों और मीडिया प्रतिनिधियों में भी भारी उत्साह है। लोग तुषार सैनी को सोशल मीडिया पर बधाइयां दे रहे हैं। मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी ने कहा कि वे मुख्यमंत्री नायब सैनी और सरकार द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और मेहनत से निभाएंगे।

जलजीरा पिलाकर बुझाई राहगीरों की प्यास

शाहबाद। नगर के गोपी बिहार स्थित गोपालजी कंपलेक्स के नजदीक द्वादशी के मौके पर समाजसेवियों द्वारा जलजीरा और काले छोले का लंगर चलाया गया जिसमें काफी संख्या में राहगीरों ने भीषण गर्मी के चलते अपनी प्यास तृप्ति की और काले छोलो का स्वाद का आनंद लिया।

योग से ही निरोग होने का रास्ता : प्रो. सचदेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

- कुवि में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों, अधिकारियों ने लिया बढ़-चढ़कर भाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा की अध्यक्षता में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के खेल निदेशालय द्वारा न्यू मल्टी पर्पज हॉल में शनिवार सुबह प्रातः 6.30 बजे 21 जून को ब्रह्म सरोवर के तट पर आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के सुचारू आयोजन के लिए योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण योग सहायक मंजीत सिंह, कुवि की प्रो. निरूपमा भट्टी द्वारा दिया गया। मेडिटेशन का प्रशिक्षण हरियाणा योग आयोग के अध्यक्ष डॉ जयदीप आर्य द्वारा दिया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि योग से ही निरोग होने का रास्ता तय होता है। 21 जून को मनाए जाने वाले 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य उद्देश्य योग के लाभों के बारे में लोगों को जागरूक करना और इसे दुनिया भर में लोकप्रिय बनाना है।

कुरुक्षेत्र। योग करते कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा व अन्य।

पीएमश्री विद्यालय मे ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित

कुरुक्षेत्र। शहीद सुरेंद्र कुमार पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव बारना मे ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर मे शनिवार को उमंग समाजसेवी संस्था के अध्यक्ष देवीलाल बारना ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। यहां पहुंचने पर शिक्षक राजबीर सिंह व शशी भूषण शर्मा ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। बच्चों को संबोधित करते हुए देवीलाल बारना ने कहा कि भारतीय संस्कृति पूरी दुनिया मे सबसे महान संस्कृति है। यहां वह कल्चर है जब बच्चा छोटा होता है तो माता पिता उसकी संभाल करते हैं और जब बच्चा बड़ा होता है व माता पिता बुजुर्ग हो जाते हैं तो वह अपने माता पिता की बच्चों की तरह संभाल करता है। इस प्रकार से भारतीय संस्कृति का कोई मुकाबला नही। हमे अपनी संस्कृति का अनुसरण करते हुए जीवन मे अपनाना चाहिए ताकि ऋषि मुनियों के इस देश मे प्यार मुहब्बत बनी रहे। इस दौरान उन्होने बच्चों को स्वतंत्रता सेनानियों के बारे मे भी विस्तार से बताया और कुरुक्षेत्र जिला के स्वतंत्रता सेनानियों के बारे मे जानकारी दी। इस मौके पर शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

100 से अधिक लोगों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

- फिनिक्स क्लब ने मेंदांता फाऊंडेशन ओपीडी सेंटर में लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

सामाजिक संस्था फिनिक्स क्लब द्वारा शनिवार को गीता ज्ञान संस्थानम कुरुक्षेत्र में स्थित मेंदांता फाऊंडेशन ओपीडी सेंटर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष तेजेंद्र खेहरा गोल्डी ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। इस मौके पर हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धूमन सिंह किरमच विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर फिनिक्स क्लब के प्रधान डा. राजेश वधवा, अशोक अरोड़ा, जगदीश चोपड़ा, गगन कोहली, विजय नरूला, संजीव सीकरी, ललित माटा, पंकज अरोड़ा, रामपाल शर्मा आदि मौजूद रहे। फीनिक्स क्लब के प्रधान डॉ. राजेश वधवा, सचिव अंशुल जसूजा, कोषाध्यक्ष मनोज परूथी ने बताया कि इस कैंप में मेदांता अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा 100 से अधिक लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई।

सिंचाई विभाग के आईसी कार्यों का किया निरीक्षण

कुरुक्षेत्र। एसडीएम अमन कुमार ने कहा कि बारिशों से पहले सिंचाई विभाग के अधिकारी नहरों और ड्रेनों की सफाई का कार्य पूरा करना सुनिश्चित करेंगे। इस विषय को अधिकारी और गंभीरता से ले ताकि किसी स्तर पर भी कोई कमी ना रहे। एसडीएम अमन कुमार शनिवार को सिंचाई विभाग के आईसी कार्यों और बाढ़ राहत से सम्बन्धित कार्यों का निरीक्षण करने के उपरांत अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। इससे पहले एसडीएम अमन कुमार ने सिंचाई विभाग की तरफ से थानेसर उपमंडल में नहरों की सफाई के कार्यों और विकासकारी परियोजनाओं को चैक किया।

योग और प्राणायाम के साथ पौधा रोपण कर रहे साधक : रविंद्र कौशिक

कुरुक्षेत्र। भारतीय योग संस्थान कुरुक्षेत्र के तत्वावधान में योग और प्राणायाम के साथ पौधा रोपण करके स्वास्थ्य के साथ पर्यावरणीय संतुलन बनाने का कार्य भी साधक और साधिका कर रहे है। सूबेदार मेजर रविन्द्र कौशिक ने बताया कि कुरुक्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय योग संस्थान की निशुल्क योग कक्षाएं चल रही हैं। 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाता है परंतु भारतीय योग संस्थान इसे हर रोज मना रहा है। ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता और विश्व में भारतीय सेना का परचम लहरा रहा है वंही भूतपूर्व सैनिक लोगों के स्वास्थ्य को लेकर योग द्वारा जागरूकता फैलाने का काम कर रहे हैं। सूबेदार मेजर रविन्द्र कौशिक ने बताया कि वह स्कूल समय से ही योग कर रहे हैं और अब भारतीय योग संस्थान से जुड़कर स्कूलों में जाकर बच्चों को योग के प्रति जागरूक कर रहे हैं। कार्यक्रम में गुलशन कुमार ग्रोवर, मणिराम सैनी अपनी सेवाएं दे रहे है।

दस्तार सजाने का दिया प्रशिक्षण, बच्चों व युवाओं ने सीखे गुर

- प्रकाश पर्व समागम में श्रीअखंड पाठ साहिब के पाए मध्य भोग, भारी तादाद में पहुंची संगत ने नवाया शीश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

धर्मनगरी में सुशोभित ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी में श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी महाराज के प्रकाश पर्व के दूसरे दिन भी भारी गिनती में संगत ने गुरु साहिब के समक्ष शीश नवाया। शनिवार को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के श्री अखंड पाठ साहिब की पहली लड़ी के मध्य भोग पाए गए। इस दौरान भाई गुरदास सिंह ने गुरु चरणों में सरबत के भले हेतु अरदास की। समागम में हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के कार्यकारिणी समिति मैंबर कुलदीप सिंह मुल्तानी, मैंबर इंदरजीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह, पूर्व कनिष्ठ उपप्रधान बीबी रविंदर कौर अजराना, पूर्व प्रवक्ता कवलजीत सिंह अजराना, प्रधान के कार्यालय पीए एवं एडिशनल सैकेटरी सतपाल सिंह डाचर, एडिशनल सैकेटरी राजपाल सिंह दुनिया माजरा, नरेंद्र सिंह, अस्सिटैंट सैकेटरी अमरिंदर सिंह, गुरुद्वारा निरीक्षण शाखा प्रभारी जज सिंह, मैनेजर हरमीत सिंह समेत संगत ने शीश नवाया। उधर, समागम के दौरान दस्तार कोच सिमरनजीत सिंह ने अपने सहयोगियों के साथ मिल कर बच्चों व युवाओं को दस्तार सजाने के गुर दिए। उन्होंने बच्चों को दस्तार के महत्व की जानकारी दी और उन्हें दस्तार सजाने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा संगत द्वारा गर्मी को देखते हुए ठंडे पानी एवं जलजीरे की छबील भी लगाई, जबकि लंगर में संगत के सहयोग से अलग-अलग पकवान बनाए गए। एडिशनल सैकेटरी एवं कार्यालय पीए सतपाल सिंह डाचर ने बताया कि 8 को पहली लड़ी संपन्न होगी।

ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी में प्रकाश पर्व समागम के दौरान श्रीगुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के श्री अखंड पाठ साहिब का पाठ करते ग्रंथी।

आयुष विभाग के महानिदेशक 9 को लेंगे अधिकारियों की बैठक

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि कुरुक्षेत्र में 21 जून को राज्य स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इस अंतर्राष्ट्रीय योग महाकुंभ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ-साथ अन्य वीवीआईपीगण शिरकत करेंगे। इस योग महाकुंभ में एक लाख लोगों को एक साथ योग करवाया जाएगा। उपायुक्त नेहा सिंह ने जारी आदेशों में कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस महाकुंभ की तैयारियों को लेकर 9 जून को लघु सचिवालय के सभागार में सुबह 11 बजे आयुष विभाग के हानिदेशक अधिकारियों की एक बैठक को सम्बोधित करेंगे।

साईं बाबा की मूर्ति स्थापना दिवस समारोह 9 को

कुरुक्षेत्र। श्री दुर्गा देवी मदिर पिपली के पीठाधीश और मां दुर्गा चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य व वास्तु महर्षि डॉ. सुरेश मिश्रा ने बताया कि साईं बाबा की मूर्ति स्थापना 9 जून 2011 को हुई थी इसलिए साईं बाबा की मूर्ति स्थापना का 14 वॉ वार्षिक महोत्सव 9 जून 2025 को भक्ति भावना से श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में सोमवार को प्रातः 10 बजे यज्ञ ,आरती और भक्तों में प्रसाद वितरण का कार्यक्रम श्री दुर्गा देवी मन्दिर पिपली के प्रांगण में आयोजित होगा। पुजारी पण्डित राहुल मिश्रा वैदिक मंत्रों से पूजा अर्चना और यज्ञ करवाएंगे। सायंकाल 3: 30 बजे से आयोजित साईं संध्या में कुरुक्षेत्र के सुप्रसिद्ध गायक बब्बू चावला एवं पार्टी साईं बाबा की भेंटे सुनाएंगे। सभी श्रद्धालु भक्तों को साईं बाबा की मूर्ति स्थापना के 14वें वार्षिक दिवस की अग्रिम बहुत - बहुत हार्दिक शुभकामनाएं दी। समाजसेवी केवल कृष्ण छाबड़ा और पवन छाबड़ा अपने परिवार सहित विशेष पूजा अर्चना करेंगे। आप सभी अपने मित्रों और परिवार सहित सादर आमंत्रित है। आप सभी साईं बाबा और मां दुर्गा का आशीर्वाद लेकर पुण्य के भागी बने। इस शुभ अवसर पर भक्त सुशील तलवाड़, ऊषा सैनी, आरती गुप्ता, जोगन देवी,सरोज शर्मा और बिमला देवी आदि भक्तजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम नवयुग स्कूल के समर कैंप में बच्चों ने बनाए स्वादिष्ट पकवान

बच्चों ने पाक कला के प्रति अपने उत्साह को बखूबी दर्शाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल मोहन नगर कुरुक्षेत्र में समर कैंप के षष्ठम दिवस पर बच्चों ने कुकिंग विदाउट फायर अर्थात बिना आग के खाना बनाना गतिविधि में बढ़ चढ़कर भाग लिया। सभी विद्यार्थियों ने कक्षा स्तर पर विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाए तथा अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कक्षा तृतीय ने भेलपुरी बनाई, जो ताजगी और स्वाद से भरी हुई थी। कक्षा चतुर्थ ने ब्रेड से सैंडविच तैयार किए, जिन्हें बच्चों ने अपने पसंदीदा टॉपिंग्स से सजाया। कक्षा पंचम ने चना चाट बनाई।कक्षा षष्ठम ने गोलगप्पे बनाकर सभी को लजीज अनुभव दिया।

कुरुक्षेत्र। बच्चों द्वारा बनाए गए व्यंजन।

भोजन विकल्पों के प्रति जागरूकता पैदा करना उद्देश्य

कक्षा सप्तम ने ब्रेड से दही भल्ले तैयार किए, जो सभी के लिए एक नई चुनौती थी। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ देवेन्द्र अरोड़ा ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों का आयोजन बच्चों में मिल-जुलकर काम करने, नई चीजें सीखने और खाना बनाने की आदतों को विकसित करने के लिए किया गया है। सभी विद्यार्थियों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस गतिविधि का उद्देश्य बच्चों में स्वस्थ भोजन विकल्पों के प्रति जागरूकता पैदा करने और उन्हें रसोई में आत्मविश्वास विकसित करना रहा। नन्हें मुन्ने बच्चों ने शेफ बन कर अपने हाथों के हुनर और पाक कला के प्रति अपने उत्साह को बखूबी दर्शाया। इस पाककला अनुभव के माध्यम से विद्यार्थियों ने न केवल अपने स्वाद को समृद्ध किया, बल्कि खाना पकाने की कला के लिए अपनी कल्पना और प्रशंसा को भी पोषित किया। उनके द्वारा प्रयोग की गई हर सामग्री एक कहानी बयां करती थी तथा यह अनुभव उनकी पाककला अन्वेषण और रचनात्मकता का प्रमाण था। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर बीडी गाबा, उप प्रधानाचार्या रिद्धिमा, मुख्याध्यापिका प्रीती मिश्रा सहित स्टाफ के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना साहा में दर्ज मोटरसाईकिल चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी अमरीक सिंह को गिरफ्तार किया है। परिवादी संजीव कुमार ने 3 मई 2025 को थाना साहा में शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह गांव केसरी में पंचायती ट्यूबवेल पर ऑपरेटर लगा हुआ है। ट्यूबवेल पर ड्यूटी के दौरान उसकी मोटरसाइकिल किसी ने चोरी कर ली है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

एक्टिवा चोरी के मामले में आरोपी

अंबाला। थाना अम्बाला छावनी में दर्ज एक्टिवा चोरी के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी राजिंद्र उर्फ मद्रासी को गिरफ्तार किया है। पीडित महिला ने 4 मई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि सुबह वह अपनी एक्टिवा से इंदिरा पार्क में घूमने के लिए गई थी। कुछ समय बाद वापस आने पर उसे वहां एक्टिवा नहीं मिली। किसी ने उसकी एक्टिवा चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

संगीतमयी कार्यक्रम नो जून को

अंबाला। सोशल ऑर्गेनाइजेशन गुदगुदी जंक्शन समूह द्वारा संगीतमयी कार्यक्रम /"गीत बहार/" 9 जून को आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर वरिष्ठ पदाधिकारी इंद्र परुथी के रेलवे रोड़ स्थित प्रतिष्ठान पर शनिवार को समूह अध्यक्ष चंद्रमौलि गौड़ की अध्यक्षता में पदाधिकारियों की बैठक हुई। अध्यक्ष ने बताया कि अंबाला शहर के मॉडल टाउन स्थित अंबाला क्लब में सोमवार,9 जून को सांय 7 से रात्रि 9:30 बजे तक संगीतमयी कार्यक्रम 'गीत बहार' का आयोजन होगा।

पेड़ पौधों का मानव जीवन में बड़ा महत्व

कुरुक्षेत्र। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व शहरी आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में अमृत मित्रा कार्यक्रम के तहत जिला जल परीक्षण प्रयोगशाला में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि पार्षद प्रतिनिधि योगेश शर्मा रहे। योगेश शर्मा ने कहा कि पेड़ पौधों का मानव जीवन में बड़ा महत्व है। पेड़ पौधे न सिर्फ ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि तमाम प्रकार के फल-फूल, जड़ी बूटियां और लकड़ियां आदि भी देते हैं।

शिक्षित होने के लिए हमें बाबा साहेब के जीवन से लेनी होगी प्रेरणा

- हर सक्षम व्यक्ति 50 असक्षम लोगों की मदद कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र सिंह बढ़खालसा ने कहा कि समाज व राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व का निवर्हन करते हुए देश को विश्व गुरू बनाने में हमें अपनी भागीदारी सुनिश्चत करनी है। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को उच्चशिक्षा ग्रहण करवाते हुए जीवन में आगे बढने के लिए भी प्रोत्साहित करना है। बढ़खालसा शनिवार को अंबाला शहर के पंचायत भवन के सभागार में वाल्मीकि महापंचायत सभा हरियाणा द्वारा राज्यस्तरीय मेधीवी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि पहुंचे थे। इससे पहले यहां मुख्यअतिथि का पहुंचने पर सभा के पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ व सम्मान की प्रतीक पगड़ी पहनाकर उनका भव्य अभिनंदन किया। इस मौके पर उनके साथ अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व प्रदेशअध्यक्ष रघुमल मट्ट, संदीप बागड़ी, रामायणी व सुरेश बैनीवाल उपस्थित रहे। बढ़खालसा ने इस मौके पर वाल्मीकि महापंचायत द्वारा मेधावी छात्राओं के लिए आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के मुख्यअतिथि विद्यार्थी हैं। ये बच्चे कल के भविष्य हैं। देश को आगे ले जाने में तथा विश्वगुरू बनाने में इनकी अहम भूमिका होगी। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन होने से विद्यार्थी प्रोत्साहित भी होते हैं। उन्होंने उपस्थित सभी को कहा कि समाज व देश को आगे ले जाने के लिए जो भी उनकी उपयोगिता है। उसे हमें सिद्ध करना है, जो हमारे दायित्व है उनका निर्वहन करते हुए देश व समाज को आगे ले जाने का काम करना है। हमें अपने अंदर ऐसे गुण आत्मसात करने है जिससे कि समाज में उन्हें जाना जाए। उन्होंने उपस्थित समाज के लोगों से यह भी आह्वान किया कि समाज में जो भी व्यक्ति सक्षम है वह ऐसे 50 असक्षम लोगों की सूची बनाए । उनसे मिल तथा उनकी जो भी सहायता की जा सकती है उसे करे। इससे निसंदेह उसे आत्म संतुष्टि होगी उससे समाज भी आगे बढेगा। ओएसडी ने कहा कि भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर ने बहुत संघर्ष किया है। विषम परिस्थितियों में उन्होंने अनेक कठिनाईयों का सामना करते हुए उच्च शिक्षा ग्रहण की थी। हमें उनके पदचिह्नों पर चलते हुए देश व समाज को आगे ले जाने का काम करना है।

सीएम के ओएसडी बोले मुश्किल परिस्थितियों में भी बाबा साहेब ने शिक्षा ग्रहण कर देश को नया संविधान दिया

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुशल व्यक्तित्व के धनी हैं। 24 घंटे जनसेवा के लिए निंरतरता में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने इस मौके पर यह भी कहा कि पूर्व मंत्री विशंबर वाल्मीकी व कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी समाज के हितों के लिए निंरतरता में कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने नशे जैसी कुरूति को जड़ से मिटाने के लिए आह्वान भी किया। उन्होंने इस मौके पर मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व मेडल पहनाकर जीवन में आगे बढने के लिए प्रोत्साहित करते हुए अपना आशीर्वाद भी दिया। इस अवसर पर वाल्मीकि महापंचायत सभा के प्रदेशाध्यक्ष यशवीर सिंह , बुद्धराम मट्ट व डॉ. जोगिंद्र वाल्मीकि, डॉ. प्रिया, डॉ. कृष्ण कुमार, हरि कृष्ण टांक, प्रो. वीरेंद्र अटवाल, बृजपाल आदिवाल, डॉ. निर्मल सिंह, डॉ. राजेश कुमार टांक भी मौजूद थे।

अंबाला। मेधावी छात्रों को सम्मानित करते सीएम के ओएसडी वीरेंद्र सिंह व अन्य।

ऑब्जर्वर एवं पूर्व मंत्री विजय इंद्र सिंगला बोले जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने पर फोक्स

कांग्रेस में तीन अध्यक्षों की जल्द होगी नियुक्ति, एक माह में प्रक्रिया होगी पूरी

जिलाध्यक्षों के बाद ब्लॉक स्तर पर होगी मजबूत कार्यकर्ताओं की नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के ऑब्जर्वर विजय इंदर सिंगला ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस संगठन सृजन अभियान की शुरूआत की गई है। इसमें घर-घर लोगों को कांग्रेस के साथ जोड़ा जाएगा और संगठन तैयार किया जाएगा। एक महीने के अंदर-अंदर जिले में शहर, कैंट और ग्रामीण में तीन अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी जाएगी। क्योंकि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पंचायत से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना है।

सिंगला शनिवार को अंबाला कैंट कांग्रेस भवन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राहुल गांधी की ओर से उठाए जाने वाले मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति में संविधान की रक्षा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए बड़ी चुनौती है। इसका डटकर सामना करना है। गुजरात को कांग्रेस सृजन अभियान का पायलट प्रोजेक्ट बनाया गया है।

वहां जिला कांग्रेस समितियों (डीसीसी) की नियुक्ति लगभग पूरी हो चुकी है। इसी मॉडल को अब मध्य प्रदेश, हरियाणा और ओडिशा में लागू किया जा रहा है। राहुल गांधी खुद इन नियुक्तियों की व्यक्तिगत निगरानी कर रहे हैं। उनका लक्ष्य संगठन की जड़ों को मजबूत बनाना है न कि सिर्फ ऊपर से सुधार करना। इस अभियान के शुरू करने के बाद प्रदेश के युवाओं में जोश देखने को मिल रहा है। राहुल गांधी के आदेशानुसार 35 से 55 वर्ष की आयु तक का कोई भी कार्यकर्ता, अगर जिलाध्यक्ष बनना चाहता है तो वह फार्म भरकर दे सकता है।

इसमें पूरी तरह से पारदर्शिता रहेगी। जिले में इस बार शहर, कैंट और ग्रामीण में अलग-अलग तीन अध्यक्ष बनाए जाएंगे। यह प्रक्रिया एक महीने में पूरी कर दी जाएगी। पहले जिलाध्यक्षों की नियुक्ति होगी, उसके बाद ब्लॉक स्तर, मंडल और बूथ स्तर पर पर भी नियुक्ति होगी। इसके अलावा संगठन में अन्य कमेटियां की भी नियुक्ति होगी।

इस संगठन में केवल उन्हीं को चुना जाएगा, जिन्होंने जमीनी स्तर पर रहकर पार्टी के लिए काम किया है। इस मौके सांसद वरुण चौधरी ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी देश में गुजरात मॉडल की तर्ज पर प्रदेश में संगठन की नए सिरे से नींव रख रहे है। इसके लिए उन्होंने कांग्रेस सृजन संगठन अभियान की शुरूआत की है जिसमें जिलाध्यक्ष से लेकर बूथ स्तर तक नियुक्तियां की जाएंगी। इसमें केवल वफादारों को ही नियुक्त किया जाएगा। अंबाला कैंट से विधानसभा चुनाव लड़ चुके व हाल ही में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नियुक्त हुए आब्जर्वर परविंद्र सिंह परी ने कहा कि सीडब्ल्यूसी सदस्य विजय इंदर सिंगला 9 जून को सुबह अंबाला शहर व शाम को अंबाला कैंट कांग्रेस भवन में नियुक्ति को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग करेंगे। इसी तरह से 10 जून को नारायणगढ़ व मुलाना और साहा ब्लॉक के कार्यकर्ताओं की मीटिंग होगी।

अंबाला। मीडिया से बातचीत करते पूर्व मंत्री विजयइंद्र सिंगला व अन्य।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

इस कार्यक्रम का आयोजन जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से किया गया था जिसमें विधायक शैली चौधरी, विधायक निर्मल सिंह, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ऑब्जर्वर गौरव सिंह, सचिन कुंडू, कंवरदीप सैनी सहित मौजूद रहे।

साइकिल रैली के जरिए दिया राष्ट्रीय एकता व स्वस्थ जीवन शैली का संदेश

अंबाला। साइकिल रैली में शामिल लोग।

- ब्रह्मकुमारीज आश्रम की ओर से रैली का हुआ आयोजन, पांच ऐतिहासिक स्मारकों से होकर गुजरी रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी के दयालबाग स्थित ब्रह्माकुमारीज आश्रम की ओर से शनिवार को साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली को द 5 ऐतिहासिक महत्व और भारतीय विरासत के सूचक स्मारकों के आगे से गुजारा गया। यह साइकिल रैली राष्ट्रीय एकता, स्वस्थ जीवन शैली तथा विरासत के महत्व का संदेश लेकर बेहडे वाला पीर, श्याम नगर गुरुद्वारा के पीछे से निकलकर, रानी का तलाब प्राचीन शिव मंदिर, पटेल पार्क, खड़गा हेरिटेज पार्क, कैंटोनमेंट बोर्ड पार्क तोपखाना होते हुए पंजोखरा साहिब गुरुद्वारा तक पहुंची। यहां पर रैली का स्वागत अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता राजयोगी ब्रह्माकुमार भारत भूषण ने राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी बहनों संग किया। भ्राता ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा साइकिलिंग समय अनुसार का बहुत विशेष साधन है लेकिन इसको चलाने वालों की संख्या में बहुत कटौती हुई है। साइकिल हमें शिक्षा देती है हमें अपने जीवन में कभी भी संतुलन नहीं खोना चाहिए। जैसे विज्ञान के साथ आध्यात्मिकता का संतुलन, लव के साथ लॉ का संतुलन, शारीरिक एवं मानसिक संतुलन आदि। उन्होंने कहा हमें अपने जीवन में '4 पी' पॉपुलेशन, पॉवर्टी, पॉल्यूशन और प्लास्टिक से संभाल रखनी है।राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शैली बहन ने शिपिंग, एविएशन एवं टूरिज्म प्रभाग द्वारा आयोजित सेवाओं का संक्षिप्त ब्यौरा दिया।

राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी प्रीति बहन ने राजयोग का अनुभव करवाया और परमात्मा से शक्तियां प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन नियमित राजयोग अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस साइकिल यात्रा में 10 साल और इससे अधिक उम्र के लोगों ने भाग लिया। इस रैली में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को सर्टिफिकेट और उपहार से सम्मानित किया गया। श्री गुरु हरिकृष्ण खालसा कॉलेज के प्रधानाचार्य सुखदेव सिंह ने कार्यक्रम के आयोजन एवं सभी प्रतिभागियों को उनके महाविद्यालय में सम्मानित करने के लिए ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय का विशेष धन्यवाद किया।

सभी 32 वार्डों में संगठन के ढांचे को मजबूत करेगी चित्रा

अंबाला। अंबाला छावनी विधानसभा सीट से आजाद चुनाव लड़ चुकी चित्रा सरवारा ने एक बार फिर 32 वार्डों में मजबूत सांगठनिक ढांचा बनाने का ऐलान किया है। इसके लिए वे हर घर तक पहुंचेगी। चित्रा ने बताया कि यह कोई चुनावी तैयारी नहीं, बल्कि जनचेतना का विस्तारित स्वरूप होगा, जिसमें हर गली की समस्या को आवाज़ दी जाएगी और हर मोहल्ले की पीड़ा की सुनवाई के लिए मंच मिलेगा। लालकुर्ती के नज़दीक आकाशदीप पैलेस में रविवार सुबह एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन सुबह 10:30 बजे टीम चित्रा द्वारा किया जाएगा जिसमें क्षेत्र के सक्रिय कार्यकर्ताओं और वार्ड प्रतिनिधियों को एकजुट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छावनी की जनता पीने के पानी की किल्लत,गंदगी,टूटी सड़कों, सीवरेज की बदहाल व्यवस्था, बेरोज़गारी और सरकारी कार्यालयों में पसरी भ्रष्ट व्यवस्था से जूझ रही है। सरवारा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अंबाला छावनी में एक भी ऐसा विकास कार्य नहीं है जो बिना भ्रष्टाचार और समय सीमा में पूरा हुआ हो।हर जगह सिफ़ारिश और अफसरशाही की दीवारें खड़ी हैं। जनता के अधिकार को अहसान की शक्ल देकर लूटा जा रहा है । चित्रा सरवारा ने कहा कि टीम-चित्रा का आंदोलन सत्ता प्राप्ति की भूख नहीं, व्यवस्था परिवर्तन की चाह है। यह संगठन एक रिश्ता है, एक विचार है, जो ज़मीन से जुड़ा है।

योगासन खेल प्रतियोगिता में सिया ने मारी बाजी

बराड़ा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में ब्लॉक स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के अनेक आयु वर्ग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में मेज़बान विद्यालय के प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रमुख स्थान हासिल किए। लड़कियों के 10 से 14 आयु वर्ग में भारती (कक्षा 9वीं) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि चेतना गहलोत (कक्षा 8वीं) द्वितीय स्थान पाया तो तनवी शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। इसी आयु वर्ग के लड़कों में नैतिक ने प्रथम, अनुराग ने द्वितीय तथा शैम्फोर्ड स्कूल के सैंमपाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कियों के 14 से 18 आयु वर्ग में सिया (कक्षा 11वीं) ने प्रथम, माही (कक्षा 11वीं) ने द्वितीय तथा नंदिनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस वर्ग में लड़कों में नितिन (कक्षा 12वीं) प्रथम तथा कृष द्वितीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या मंजू बाला ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मौके पर महिला हैंडबॉल कोच कुसुम, बैडमिंटन कोच पूर्णिमा, आयुष विभाग से धर्मवीर तथा विद्यालय के शारीरिक शिक्षक रणजीत सिंह चौहान का विशेष रूप से आभार प्रकट किया।

बराड़ा। प्रतियोगिता में विजेता रहने वाले विद्यार्थी।

संस्कार शिविर का हुआ समापन

- स्किल एजूकेशन कार्यक्रम की कई गतिविधियों में छात्रों ने लिया हिस्सा
- डीएवी स्कूल में आयोजित हुआ था शिविर, कलाओं का मनमोहक प्रदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला शहर के डीएवी विद्यालय में आयोजित कला संस्कार शिविर एवं स्किल एजूकेशन कार्यक्रम का शनिवार को शानदार समापन हो गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पूरे शिविर के दौरान सीखी गई कलाओं का मनमोहक प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर सूर्य नमस्कार के साथ हुई। इसके बाद बच्चों ने ब्लॉक पेंटिंग और हैंगिंग बॉस्केट डेकोरेशन के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में पंजाबी लोकनृत्य और छात्रों ने गिटार पर गायन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. आरआर सूरी तथा वरिष्ठ समन्वयक भारती ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बच्चों को उनकी सहभागिता के लिए प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ डायरी एंट्री के लिए नम्रित, चिराग, प्रतिमा को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अंत में सभी बच्चों को स्वादिष्ट रिफ्रेशमेंट प्रदान किए गए और वे प्रसन्नता के साथ अपने घर लौटे। विद्यालय के प्रांगण में निर्जला एकादशी व गुरु अर्जुन देव के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में लस्सी की छबील लगाई गई। पीटीएम में आए सभी अभिभावकों व अध्यापकों ने छबील मे लस्सी सेवा का पान किया। यह छबील विद्यालय के प्रधानाचार्य व सभी अध्यापकों के व छात्रों के योगदान द्वारा लगाई गई।

अंबाला। संस्कार शिविर में गायन कला का लुत्फ उठाते छात्र।

सभी धर्मों का सम्मान करना हमारी जिम्मेदारी

अंबाला। ईद-उल-जुहा (बकरीद) का पर्व रणजीत नगर स्थित बादशाही मस्जिद में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर ईद की नमाज हाफिज व कारी मौलाना मोहम्मद मुबस्शिर रजा ने पढ़ाई और बड़ी तादाद में एकत्र हुए मुस्लिम समाज के लोगों ने अमन और शांति की दुआ की। मौलाना मोहम्मद मुबस्शिर रजा ने कहा कि हमें सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए, किसी की भी धार्मिक भावना को आहत नहीं करना चाहिए। रजा-ए- मुस्तफा वेलफेयर सोसायटी के प्रधान मोहम्मद मेराज आलम ने बताया कि ईद दो पैगंबरों इस्माइल व इब्राहिम की बेमिसाल कुबानी की याद में मनाई जाती है। ईद पर गरीबों व जरूरतमंदों का ख्याल रखना इस्लाम ही नहीं बल्कि इंसानियत का अव्वल फर्ज है। आलम ने कहा कि इस महीने में दुनिया भर के मुस्लिम समुदाय के लोग हज यात्रा में जाते है।

सुदेश कटारिया बोले, पूर्व की सरकारों ने दलितों को वोट बैंक के तौर पर किया इस्तेमाल

मनोहर लाल ने दलित समाज को मजबूत करने में निभाई अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के मुख्य मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया ने कहा कि राजनैतिक संत मनोहर लाल ने दलित समाज को मजबूत करने का काम किया है। उसी तर्ज पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए उनके लिए निरंतरता में कार्य कर रहे है।

कटारिया शनिवार को सेक्टर 9 अग्रवाल भवन में संविधान सम्मान समारोह समिति द्वारा आयोजित हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान जनसभा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। इस मौके पर विभिन्न सभा के पदाधिकारियों ने मुख्यअतिथि सुदेश कटारिया व राज्य एससी कमीशन के उपाध्यक्ष विजेंद्र बडगुज्जर को पुष्प गुच्छ, पगड़ी, सिरोपा, डॉ. भीमराव अम्बेडकर का चित्र व शाल भेंट कर भव्य अभिनंदन भी किया।

इस मौके पर उनके साथ कार्यक्रम के आयोजक डॉ. कपूर सिंह, श्रीश्री 1008 संत ज्ञाननाथ महाराज, स्वामी वीर सिंह हितकारी, कुलदीप बिट्टू महम, संजीव , रवि चौधरी विशेष तौर पर उपस्थित रहे। कटारिया ने इस मौके पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चरणों में नमन करते हुए कहा कि राजनैतिक संत श्री मनोहर लाल के सानिध्य में उन्हें काम करने का मौका मिला है।

मनोहर लाल जब प्रदेश के मुख्यमंत्री थे उनके नेतृत्व में अमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। प्रदेश विकास की राह पर निरंतरता में आगे बढ़ा। पूर्व की सरकारों में दलित समाज के हित के लिए कोई बात नहीं की गई बल्कि उनका प्रयोग केवल सत्ता हथियाने के लिए किया गया।

अंबाला। मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए व समारोह में मौजूद लोग।

लोगों की सुनीं समस्याएं

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में दलित समाज की पुरानी मांगों को पूरा करने का काम किया गया जिसमें एससी कमीशन का गठन, सफाई कर्मचारी आयोग का गठन करना व नौकरी व पदोन्नति में आरक्षण देने का महत्वपूर्ण कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम का शुभारंभ कुरूक्षेत्र की धरा से किया गया है। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनकर उनका समाधान भी किया। एससी कमीशन के उपाध्यक्ष विजेंद्र बडगुज्जर ने कहा कि हमें भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलते हुए जीवन में आगे बढना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों में दलित समाज की हमेशा उपेक्षा रही है। वर्तमान सरकार दलित समाज के हितों के लिए कार्य करते हुए उन्हें आगे बढाने के लिए कार्य कर रही है।

बकरीद पर मुस्लिमों ने एकजुट होकर अता की नवाज, भाईचारे को दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

बकरीद (ईद-उल-अजहा) का पर्व शनिवार को बड़ी श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक जोश के साथ मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम समुदाय के लोग नए कपड़े पहनकर मस्जिदों व ईदगाहों की ओर रवाना होते देखे गए। कस्बा व गांव की बड़ी मस्जिद समेत गांव तंदवाल, जलुबी, सिरसगढ, मुलाना व आसपास की मस्जिदों में बकरीद की विशेष नमाज अदा की गई। नमाज की समाप्ति के बाद देश की खुशहाली, अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी गई। ईद-उल-अजहा की नमाज के बाद कुर्बानी की परंपरा निभाई गई। कुर्बानी के बाद लोगों ने अपने परिवार, पड़ोसियों और जरूरतमंदों के साथ मांस का वितरण कर आपसी भाईचारे और सहयोग की मिसाल पेश की। इस अवसर पर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में विशेष उत्साह देखने को मिला। बच्चे नए कपड़े पहनकर एक-दूसरे को ईद मुबारक कहते नजर आए। कस्बे में सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में गश्त की। बकरीद के मौके पर विभिन्न धर्मों के लोगों ने मुस्लिम समाज के लोगों को इस पावन पर्व की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर गांव तंदवाल के इमाम ने अपने संदेश में कहा कि बकरीद हमें त्याग, समर्पण और इंसानियत की राह पर चलने की प्रेरणा देती है।

समय तेजी से बदल रहा है। हर रोज तकनीक नए अवतार में सामने आ रही है। जाहिर है, ऐसे में सर्वाइव करने और ग्रो करने के लिए खुद को लगातार अपडेट करना जरूरी है। अच्छी बात है कि इस बात की महत्ता को समझते हुए आज के युवा अपनी स्किल्स डेवलपमेंट के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

युवा नई स्किल्स सीखकर लगातार हो रहे अपडेट

कवर स्टोरी/ डॉ. मोनिका शर्मा

तेजी से बदलते इस दौर में नई सोच ही नहीं न्यू एज स्किल्स भी आवश्यक हैं। आज के युवाओं को सेल्फ डेवलपमेंट की सोच में व्यक्तित्व ही नहीं कौशल को भी रखना होगा। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का अनुमान है कि 2030 तक 85 फीसदी ऐसी नौकरियां मौजूद होंगी, जो बिल्कुल नए क्षेत्रों से जुड़ी होंगी। यानी, रोजगार के ऐसे फील्ड और अवसर, जो अभी तक अस्तित्व में नहीं हैं। इसलिए युवाओं में एडॉप्टिबिलिटी और नया सीखने की सोच जरूरी है। देखने में आ रहा है कि सरकार और कंपनियां भी निरंतर कौशल विकास की जरूरत पर बल दे रही हैं। असल में तकनीकी तरक्की और कॉर्पोरेट दुनिया के तेजी से बदलते परिवेश में नए लोगों को ही नहीं पहले से जुड़े कर्मचारियों को भी लगातार नई स्किल सीखनी जरूरी है।

बदलते हालातों से तालमेल

बदलाव के प्रति खुला रुख और बदलती परिस्थितियों के साथ तालमेल बैठाने की सोच आज के समय में बहुत आवश्यक है। एडॉप्टिबिलिटी से जुड़ा यह भाव वह सॉफ्ट स्किल है, जिस पर सीखने-समझने की लगातार चलने वाली प्रक्रिया टिकी होती है। असल में एडॉप्टिबिलिटी का मतलब ही नई परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार रखना है। बदलती स्थितियों के साथ आसानी से ढलने की क्षमता जुटाना है। बदलाव के लिए लचीला रुख रखना है। तकनीकी दुनिया में एआई से लेकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में लोगों से जुड़ाव की राह चुनने तक, पेशेवर दुनिया में नित नया सीखते रहने की प्रवृत्ति आज के समय की जरूरत है। आज टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रीज, सर्विस सेक्टर हर फ्रंट पर बदलाव आ रहा है। काम-काजी दुनिया की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप ढलना जरूरी है। स्किल्स और माइंडसेट के मोर्चे पर स्वयं को संवारते रहने से ही अपडेट रहा जा सकता है। सुखद है कि युवा अपनी स्किल को निखारने को प्राथमिकता भी दे रहे हैं।

मिलते हैं अनेक फायदे

उम्र के हर पड़ाव पर ही कुछ नया सीखना या सीखते रहना आत्मविश्वास की सौगात देता है। बात जब काम-काजी दुनिया में अपनी जमीन पुख्ता करने में जुटे युवाओं की हो तो, यह पहलू और अहम हो जाता है। असल में अपनी स्किल्स निखारने से जॉब में सुरक्षा मिलती है। किसी क्षेत्र विशेष में पहचान बनाने का अवसर मिलता है। मौजूदा नौकरी में तो आगे बढ़ने के अवसर मिलते ही हैं, करियर के नए दरवाजे भी खुलते हैं। मानसिक रूप से यह स्थिति तनाव से भी दूर रखती है, क्योंकि आने वाले समय के लिए खुद को तैयार करने के प्रयास हर तरह की असुरक्षा से दूर रखते हैं। नई स्किल्स सीखने से हर इंसान को अपने आप के बारे में अच्छी और सकारात्मक अनुभूति होती है। अपनी क्षमता के प्रति बने विश्वास से मन अधिक सशक्त महसूस करता है। काम-काजी दुनिया में इस मनःस्थिति के साथ चुनौतियों का सामना करना और आसान हो जाता है। नए स्किल्स सीखने से नए लक्ष्य बनाने और पाने की भी हिम्मत मिलती है। परिस्थितियों के अनुसार कौशल निखार से मिला आत्मविश्वास अनमोल होता है। ऐसे भरोसे से लबरेज मन-मस्तिष्क, हर हाल में कुछ बेहतर करने का मार्ग खोज लेता है। समझना मुश्किल नहीं कि फील्ड चाहे कोई भी हो, योग्यता के मोर्चे पर बेहतरी की ओर बढ़ते जाना कभी व्यर्थ नहीं जाता। *

डेवलप होती है पर्सनालिटी

फॉर्मल डिग्री के बाद भी कुछ नया सीखते रहना व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होता है। नए स्किल्स सीखना अपने ज्ञान को बढ़ाना है। अपनी कार्यक्षमता को बेहतर करना है। समय के साथ चलते रहने की सोच को सही दिशा देना है। खासकर सॉफ्ट स्किल्स को बेहतर करना अच्छी निर्णय क्षमता, प्रभावी कम्युनिकेशन और समस्याओं का समाधान तलाशने में मददगार साबित होता है। ऐसे सभी पहलू व्यक्तित्व विकास से ही जुड़े होते हैं। यही बातें युवाओं की पर्सनालिटी को इंप्रेसिव बनाती हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार, व्यक्ति की पर्सनालिटी उसके स्थाई व्यवहार, विचार, इमोशनल पैटर्न और क्षमताओं को लिए होती है। कॉग्निटिव बिहेवेरियल थेरेपिस्ट और 'द फील गुड जर्नल' के लेखक लुडोविका कोलेला के मुताबिक 'व्यक्तित्व, व्यवहार और विचार पैटर्न का एक संयोजन होता है, जो समय के साथ अपेक्षाकृत स्थिर होता जाता है।' ऐसे में पर्सनल ग्रोथ और पर्सनालिटी डेवलपमेंट, दोनों ही सिस्टमेटिक ढंग से कुछ ना कुछ सीखते रहने से गहराई से जुड़े हैं। साथ ही खुद को सक्रिय रखने के लिए भी न्यू स्किल्स सीखना आवश्यक है। इस तरह नया स्किल, वर्किंग फील्ड में तो बेहतरी से जुड़ा ही है, युवाओं के व्यक्तित्व विकास का भी अहम पहलू है।

वैसे तो आज के दौर में हर व्यक्ति समय की कमी का रोना रोता रहता है। लेकिन इस बिजी लाइफ में भी अगर कुछ पल आप अपने दोस्तों के साथ बिताते हैं तो इसके कई तरह के फायदे आपको मिलेंगे, जीवन में हमेशा जीवंतता बनी रहेगी।

अपनी बिजी लाइफ में भी कुछ पल हों दोस्तों के लिए

रिलेशनशिप / संध्या सिंह

हर रोज सुबह घर से निकलकर पूरा दिन ऑफिस में काम करने के बाद ट्रैफिक और भीड़ की मुश्किलें झेलने के बाद घर पहुंचकर आप अपने कंफर्टेबल जोन में आ जाते हैं। अपने लिए चाय बनाते हैं और किसी किताब को पढ़ने या कोई मनपसंद फिल्म देखने की सोचते हैं। तभी आपके दोस्त का फोन आता है, जिसकी आपके साथ काफी दिनों से मुलाकात नहीं हुई है। वह आपको रात के समय फिल्म देखने के लिए बोलता है तो आप कहते हैं कि नहीं, अब मेरा कोई मूड नहीं है। लेकिन दोस्त 10-15 मिनट के बाद आपको लेने के लिए आ जाता है। मन नहीं होने के बावजूद आप फिल्म देखने चले जाते हैं। लंबे समय के बाद दोस्त से मिलकर, फिल्म देखकर, उसके साथ वक्त बिताकर आपको बहुत अच्छा लगता है। क्या आपने भी ऐसा महसूस किया है?

तनाव होता है कम: यह सच है कि आज के समय में घर से ऑफिस और ऑफिस से घर की व्यस्त दिनचर्या में आपको दोस्तों से मिलने का ख्याल ही नहीं आता है। थकान और तमाम उलझनों के कारण उनके लिए समय निकालना आपके लिए संभव भी नहीं होता। लेकिन विभिन्न सर्वेक्षण इस बात का दावा करते हैं कि अपनी व्यस्त दिनचर्या में भी दोस्तों के लिए वक्त निकालना, आपको काफी हद तक तनावमुक्त करता है। दोस्तों से मिलना, उनके साथ समय बिताना उस समय और जरूरी हो जाता है, जब आप किसी तरह की समस्या से जूझ रहे होते हैं। जाहिर सी बात है, दोस्त के साथ मिलने पर आप उनके साथ अपनी समस्या शेयर करते हैं। आपका दोस्त आपकी समस्या को ध्यान से सुनता है और उसे नए तरीके से देखने और समझने के लिए आपको बहुत सी नई बातें बताता है, जिससे आपको अपनी वो छोटी सी समस्या जितनी पहले बड़ी लग रही थी, अब और छोटी दिखती है।

ऐसे बिताएं समय: यह जरूरी नहीं कि आप अपने पार्टनर के साथ ही घूमने के लिए जाएं। अपने दोस्तों के साथ भी ट्रिप का प्रोग्राम बना सकते हैं। ऐसी ट्रिप, जिसमें सिर्फ आप अपने आपको और दोस्तों को समय दें। न आपके पास लैपटॉप हो, न ई-मेल चेक करने का झंझट और अपने स्मार्टफोन को भी आप दिन के समय या कुछ खास आवर्स में स्विच ऑफ कर दें केवल दोस्तों के साथ घूमने का आनंद लें, घूमें, फिरें और पार्टी करें। उनके साथ मिलकर मूवी देखें, कांसर्ट में शिरकत करें। कोई प्ले देखें। इस तरह की गतिविधियों में शिरकत न करने के कारण हम सामाजिक गतिविधियों से दूर हो जाते हैं। ये वही मौके हैं, जिनके द्वारा आप आपने को सोशलाइज्ड कर सकते हैं।

अलग होता है मिलने का आनंद: अगर आपका दोस्त तनाव में है और वह खुद अपने को घर में बंद कर लेता है, अलग-थलग रहकर वह चिड़चिड़ा और तनावग्रस्त हो जाता है तो यही वह समय है, जब आप उसको उसकी बंद दुनिया से बाहर लाकर अपना सहारा दे सकते हैं। भले ही आजकल मोबाइल फोन, व्हाट्सएप कॉल, ई-मेल या एसएमएस के जरिए हम दोस्तों से कनेक्ट होते हैं, लेकिन वर्चुअल दुनिया से निकलकर आमने-सामने की बातचीत का कोई विकल्प नहीं होता।

मिलने की करें पक्की प्लानिंग: हम अकसर अपने दोस्तों से मिलने की प्लानिंग तो बहुत करते हैं, लेकिन मिल नहीं पाते। इसके लिए हर बार की मीटिंग के बाद अगली बार मिलने की एक तारीख निर्धारित कर लें और उसके लिए किसी भी सूरत में समय निकालें। जीवन की आपा-धापी के बीच दोस्तों के लिए समय जरूर निकालें। तो अगली बार जब आपसे कोई कहे कि चलो मिलते हैं, इसे एक अनिश्चित समय के लिए न टालें। मोबाइल फोन निकालकर कैलेंडर देखकर तुरंत पहले से एक तारीख तय कर लें और अपने शेड्यूल को उसी हिसाब से अडजेस्ट करके अगली बार जरूर मिलें। *

लाइफस्टाइल

शैलेंद्र सिंह

बोरियत को कहें बाय-बाय जिंदगी में भरें नई उमंग

वजहें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन बोरियत की फीलिंग कभी न कभी सभी को होती है। ऐसे में उसकी वजह तलाशें, उसका समाधान करें और जिंदगी को नई उमंग के साथ जीना शुरू करें।

किसी ने सच ही कहा है, चलती का नाम जिंदगी है। लेकिन कभी-कभी अपनी जिंदगी से बोरियत महसूस होने लगती है। बोर होने का मतलब है रुकावट, थकावट, कल्पनाहीनता वगैरह-वगैरह। सवाल है, ऐसी स्थिति में क्या किया जाए? हमें समझना होगा कि जब तक हम कल्पनाशील नहीं होंगे, बोरियत को दूर करने की चेष्टा नहीं करेंगे, तब तक बोरियत हमें अपने चंगुल में जकड़े रखेगी। बोरियत होने के दौरान हमें कोई भी चीज अच्छी नहीं लगती। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि बोरियत एक किस्म का डिप्रेशन है। इसलिए जैसे ही आप बोरियत महसूस करें तुरंत समझ जाएं कि आपके साथ कुछ गड़बड़ है।

बोरियत का मतलब: आमतौर पर बोरियत एक जैसी स्थिति से होती है। एक ही तरह के खाने से, एक ही तरह के कपड़ों से, एक ही तरह के काम से, एक ही जगह रहने से, एक जैसी बातों से और एक जैसे रिश्तों से। कुल मिलाकर बोरियत की तह में है एकरसता। अतः जीवन में एकरसता से बचना चाहिए।

क्यों होती है बोरियत: यह कोई बंधा-बंधाया नियम नहीं है कि बोरियत वही महसूस करेगा, जो शादी-शुदा हो। आजकल काम-काजी जीवन से जूझ रही युवा लोग भी बोरियत के चंगुल में बहुत जल्दी आ जाते हैं। वे चाहते हुए भी इससे दूर नहीं हो पाते। इसका सीधा सा जवाब यह है कि उनके पास सोशल होने का समय नहीं होता है। दोस्तों से झगड़ने का समय नहीं है। अपनों से बात करने का समय नहीं है। पार्टी करने का समय नहीं है। समय के अभाव के चलते बोरियत हमारी जिंदगी में गहरे तक घर कर गई है। बोरियत बड़े पैमाने पर प्रेमियों के संबंधों में देखने को मिलती है। हैरानी की बात यह है मौजूदा समय में बोरियत ने सबसे ज्यादा युवा कपल को ही घेरे रखा है, क्योंकि उनके पास एक-दूसरे के लिए समय नहीं है। इस तरह उनके जीवन में एकरसता बहुत आसानी से आ जाती है। वे ऊब से भर जाते हैं।

ऐसे करें बोरियत दूर: पुरुषों को यह समझना चाहिए कि आमतौर पर हर महिला की जिंदगी में उसका प्यार सबसे ज्यादा मायने रखता है। चाहे उसके पास करने को बहुत कुछ हो, चाहे उसके पास सोचने को बहुत कुछ हो, बावजूद इसके उनके जीवन में अपना पार्टनर सबसे खास होता है। लेकिन जैसे ही उसे महसूस होने लगे कि उसका पार्टनर काम के दबाव के चलते उसे नजरंदाज कर रहा है तो वह गहरे तक अवसादग्रस्त हो जाती है। वे मनोवैज्ञानिक तौर पर बुरी तरह आहत हो जाती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि मन ही मन कुढ़ना स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। इसलिए पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को समय दें और अपने जीवन से बोरियत दूर रखें।

इन पर भी करें अमल: कपल्स के लिए यह भी जरूरी है कि हमेशा रोमांटिक बने रहें। चाहे स्थितियां कैसी भी क्यों न हो, अपने पार्टनर का सम्मान करें और उसे अपना पूरा समय दें। खासतौर पर पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को जरा भी नजरंदाज न करें। बोरियत से बचने के लिए हमेशा खुद में नए-नए बदलाव करते रहें। कभी-कभी घर को भी नया लुक देकर बोरियत से दूर हुआ जा सकता है। लड़कियों के लिए खुद को सजाना हमेशा दिलचस्पी भरा होता है। बोरियत घेर रही हो तो खुद को संवारें। यही नहीं रोमांसपूर्ण आकर्षण बनाए रखने के लिए कोशिश करें कि वही ड्रेस पहनें जो एक-दूसरे को अच्छे लगें। अचानक का स्पर्श भी आकर्षण बढ़ाता है, इसलिए मौका बे मौका एक-दूसरे को चुपके से छुएं जब दूसरा किसी और काम में खोया हो। इस तरह से दोनों के बीच लगाव बना रहेगा, जो बोरियत से दूर रखती है। जो लोग सिंगल है, वे अपने दोस्तों के साथ आउटिंग और हैंगआउट कर सकते हैं। बोर शब्द बेहद सामान्य प्रतीत होता है और लगता है कि कुछ घंटों में ही हम सामान्य हो जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो पाता, क्योंकि बोरियत दीमक की तरह है जो धीरे-धीरे अंदर की जीवंतता को निचोड़ लेती है। इसलिए अपने आस-पास के माहौल में भी निरंतर तब्दीलियां करें और रिश्तों में हमेशा गर्मजोशी बनाए रखें। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

शोधपरक-संग्रहणीय पुस्तक

हिंदी पत्रकारिता के इतिहास का विधिवत विवरण वर्ष 1826 से मिलता है, जब 'उदंत मार्तंड' साप्ताहिक समाचार पत्र के माध्यम से जुगल किशोर शुक्ल ने इसकी शुरुआत की। इसके लगभग 50-55 वर्ष के बाद ही वर्ष 1882 में हिंदी बाल पत्रकारिता की भी नींव पड़ी। उसके बाद से लेकर इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक तक पहुंचने की अपनी यात्रा में बाल पत्रकारिता, किन-किन सोपानों से होकर गुजरी, किन विभूतियों ने बाल पत्रकारिता को दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और किन प्रमुख बाल पत्रिकाओं ने बाल पाठकों को आकृष्ट करने में महती भूमिका निभाई, इन तमाम पक्षों पर विस्तार से और पूरी प्रामाणिकता के साथ ब्योरा प्रस्तुत करती है, कुछ समय पूर्व छपकर आई पुस्तक-हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास। इसे सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. सुरेंद्र विक्रम ने लिखा है। इस किताब को कुल पांच अध्यायों में बांटा गया है। पहले अध्याय में वर्ष 1882 से 1947 तक, दूसरे अध्याय में 1948 से 1960 तक, तीसरे अध्याय में 1961 से 2000 तक, चौथे अध्याय में 2001 से अब तक की बाल पत्रकारिता पर विहंगम दृष्टि डाली गई है। पांचवें अध्याय में हस्तलिखित बाल पत्रिकाओं का दुर्लभ विवरण दिया गया है। परिशिष्ट में सौ से अधिक बाल पत्रिकाओं के मुख पृष्ठ का संकलन लेखक के समर्पण और अथक परिश्रम को सिद्ध करता है। कुल मिलाकर यह एक शोधपरक-संग्रहणीय किताब है। *

पुस्तक: हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास, **लेखक:** डॉ. सुरेंद्र विक्रम, **मूल्य:** 600 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

व्यंग्य / रमेश सैनी

भूखे भजन न होय गोपाला

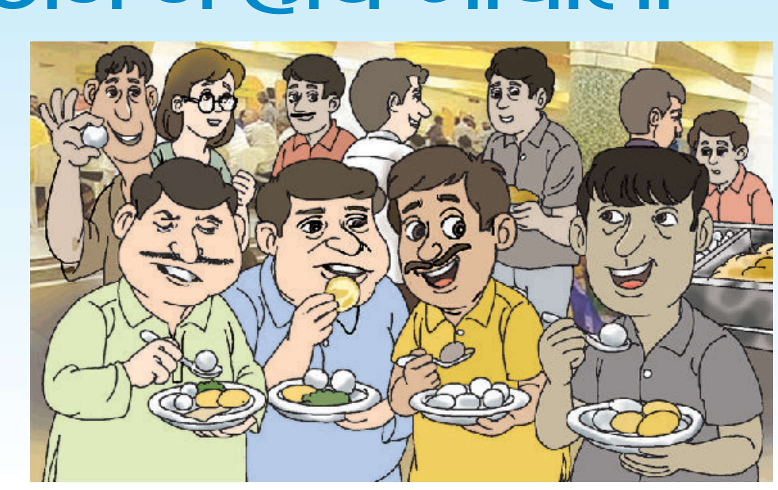

अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।'

रामलाल बहुत सहनशील सहिष्णु लंबी सोच वाले व्यक्ति हैं। उनकी सोच बहुत उदारवादी है। *जीना ऐसा ना कोई से दोस्ती ना काहू से बैर। जहां काम पड़े अपना, अपना लो भले हो गैर।* यह उनके जीवन का फलसफा है। वे रोज सुबह चाय-पान के बाद अखबार पढ़ते हैं। उसमें भी सबसे पहले सिटी पेज में साहित्यिक, धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों की सूचना पढ़ते हैं। लंबे अनुभव ने उन्हें सिखा दिया है कि किस आयोजन में स्वरुचि भोजन की व्यवस्था है। अनेक बार यह संयोग हो जाता है कि एक ही दिन में दो-चार आयोजन स्वरुचि भोज वाले की संभावना होती है। तब यह कयास लगाते हैं कि सबसे अच्छा भोज कहां पर होगा? तब वे उस आयोजन में ठाठ-बाट के साथ सम्मिलित हो जाते हैं। वे साहित्यक, धार्मिक और राजनीतिक आयोजनों के हिसाब से ड्रेस का चयन करते हैं। रामलाल जी अभिनय कला में मास्टर हैं। जहां जैसी जरूरत पड़ी, वैसा अपने को ढाल लेते हैं।

वे कुछ दिन पहले एक साहित्यिक आयोजन में मिल गए। आजकल आयोजन में भी भीड़ जुटाने के लिए स्वरुचि भोज रख लेते हैं। ऐसे में आयोजक को लगता है कि काफी भीड़ जुटी है और आयोजन सफल हो गया है। आयोजक भी श्रोताओं की सहनशक्ति, धैर्य और विश्वास की परीक्षा लेते हैं, उन्हें लगता है अगर शुरुआत में ही भोज रख दिया तो लोग खाकर आयोजन से निकल लेंगे। इस वजह से कार्यक्रम के बाद भोज रखते हैं। पर आयोजक डार-डार और श्रोता पात-पात। कुछ लोग समूह बनाकर आयोजन को सफल बनाने में योगदान देते हैं। ऐसे समूह में जो चतुर-चालाक और समझदार किस्म के लोग होते हैं, उन्हें आयोजन में शुरुआत में भेज देते हैं। उन्हें अकल होती है कि आयोजन कब खत्म होगा उसका अनुमान लगा लेते हैं। फिर वे कार्यक्रम खत्म होने के आधा-पौन घंटा पहले फोन कर देते हैं। तब उनके लोग भोज प्रारंभ होने के पहले भोजन स्थल पर पहुंच जाते हैं। रामलाल जी इसी तरह वर्षों से आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

उस रोज भी आयोजन समाप्त होने पर, जैसे ही स्वरुचि भोज आरंभ हुआ वहां उपस्थित अधिकांश लोग हमलावर के रूप में भोजन के स्टॉल पर टूट पड़े। मैं भी भीड़ में लग गया और सबके साथ धक्के खाकर भोजन के स्टॉल तक पहुंच गया। फिर धक्के से आगे बढ़ा तो सलाद, अचार और पापड़ के पास पहुंचा। मेरे आगे खड़े सज्जन मेरी दयनीय स्थिति को देखकर द्रवित हो गए और टमाटर के आठ-दस टुकड़े, दस-बारह पापड़ के टुकड़े मेरी प्लेट में रख दिए। फिर उन्होंने मुट्ठी भर अचार के टुकड़े मेरी प्लेट पर पटक दिए। मैं वहीं रुककर उन्हें कातर निरीह नजरों से देखने लगा। पर भीड़ को मेरा इस तरह रुककर देखना पसंद नहीं आया और मुझे धक्का मार कर लाइन से अलग कर दिया। फिर मैंने अपनी नजरें चारों ओर दौड़ाईं, शायद कोई पहचान वाला मिल जाए। तब देखा रामलाल आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। काफी कशमकश के बाद वे हार मान गए और लाइन से बाहर आ गए। मैंने दूर से उन्हें इशारा किया, यहां कैसे? मेरे पास आकर बोले, 'भाई साहब ने बुलाया था, तो मजबूरन आना पड़ा।' यह उनका तकिया कलाम है। मैंने देखा उनकी प्लेट में सिर्फ दाल ही दाल दिख रही थी। मैंने पूछा, 'यह क्या, सिर्फ दाल! किसी वैद्य ने कहा है?' इस पर मुस्कुरा कर बोले, 'सिर्फ दाल ही ले पाया। आगे बढ़ने से पहले ही भीड़ के धक्के ने इस शरीफ आदमी को समुद्र की लहर की भांति बाहर कर दिया।' यह कहकर वे एक किनारे खड़े हो चारों तरफ देखने लगे। उनकी नजर लाइन में लगे लोगों से टकराई। एक इशारा आया। उन्होंने संकेत भाषा में उत्तर दिया। तब वह आदमी दो कदम आगे बढ़ा। चार-छः कटोरी प्लेट में रखी और उनमें रायता भरकर बाहर आ गया। मुझे आश्चर्य हुआ। एक ही जगह से बाहर कैसे आ गया? उस आदमी ने आगे खड़े दो-तीन लोगों को संकेत किया। उन्होंने भी संकेत में अपना अभिप्राय बताया, फिर वे लोग एक-एक कर बाहर आकर खड़े हो गए। मैंने देखा एक की कटोरियों में पनीर की सब्जी भरी है और साथ में दस-पंद्रह रोटियां। दूसरे की कटोरियों में रसगुल्ले ही भरे पड़े हैं और तीसरे की प्लेट में चावल या उसे पुलाव कहा जाए पूरी तरह लबालब भरा हुआ है। चौथे आदमी की प्लेट में आठ-दस कटोरियों में खीर थीं। अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।' मैं भी उनके साथ खड़ा था। उन्होंने मुझ पर दया कर कुछ चीजें मेरी प्लेट में रख दीं।

अब सबके साथ मैं भी खाने लगा पर धीरे-धीरे। तब उनमें से एक ने कहा, 'भाई साहब, संकोच मत करिए, दिल खोलकर खाइए। हम मेहनत का खा रहे हैं। आप तो निश्चिंत होकर खाएं। इस सुरुचि भोज को हम लोग सहभागी भोज बनाकर एक पिकनिक सा आनंद लेते हैं।' तब मैंने उनसे कहा, 'आज का कार्यक्रम बहुत अच्छा रहा।' उनमें से दूसरा बोला, 'कार्यक्रम! हमें तो समझ में नहीं आया, हमारा पूरा ध्यान कार्यक्रम के बाद भोज में ही रहा। भोजन अच्छा, तो कार्यक्रम अच्छा। अन्यथा सब बेकार है। आखिर हम लोग खाना खाने के लिए ही तो जीते हैं और जीने के लिए ही खाते हैं। हमारे यहां कहावत है-भूखे भजन न होय गोपाला।' यह कह वे चुप होकर मुझे देखने लगे और मैं उन्हें। *

अनोखा शहर
शिखर चंद जैन

बहुत अजब-अनूठा है आइस सिटी हार्बिन

भारत के पड़ोसी मुल्क चीन का शहर हार्बिन अपने आप में कई सारी खूबियां समेटे हुए है। 'आइस सिटी' यानी 'बर्फ का शहर' नाम से मशहूर यह शहर अपने ठंडे-बर्फीले वातावरण के साथ-साथ यहां के दर्शनीय स्थलों और विभिन्न आयोजनों की वजह से दुनिया भर में मशहूर है।

कभी-कभी आपके मन में ख्याल आता होगा कि कितना अच्छा हो कि इस चिलचिलाती धूप और झुलसा देने वाली गर्मी से बचने के लिए हम किसी बर्फ के शहर में पहुंच जाएं। यह सिर्फ किस्सों-ख्यालों की बात नहीं है। दुनिया में वास्तव में मौजूद है एक ऐसा ठिकाना जो कहलाता है, बर्फ का शहर। जी हां, हम बात कर रहे हैं चीन में बसे अनूठे शहर हार्बिन की।

हार्बिन का इतिहास: इस अनूठे शहर की स्थापना रूस द्वारा एक बस्ती के रूप में की गई थी। इसका निर्माण व्लादिवोस्तोक और रूसी पोर्ट आर्थर (अब डालियान) के बीच रेलवे (1896-1904 में निर्मित) को सपोर्ट देने के लिए किया गया था। यह कभी सोंगहुआ नदी पर स्थित एक साधारण गांव था, जहां के वाशिंदों की आजीविका का मुख्य साधन मछली पकड़ना था। बाद में बड़ी संख्या में रूसी और यूरोपीय प्रवासी हार्बिन में आए, जिससे शहर में विदेशी संस्कृति और स्वाद आया। ये लोग अपने साथ अपनी यूरोपीय परंपराएं और मान्यताएं भी लेकर आए। इन्हीं सब कारणों से हार्बिन का रंग-ढंग और यहां की संस्कृति बदली।

मिली-जुली संस्कृति: 'आइस सिटी' यानी 'बर्फ का शहर' के नाम से मशहूर हार्बिन, चीन के हेइलोंगजियांग प्रांत की राजधानी है। यहां की संस्कृति, वास्तुकला और जीवनशैली रूस, जापान समेत यूरोप और एशिया के कई देशों से प्रभावित है। हार्बिन पर्यटन की दृष्टि से दुनिया के लोकप्रिय स्थलों में से एक है। वास्तुकला के उत्कृष्ट नमूने जैसे- पुराना क्वार्टर, सेंट सोफिया कैथेड्रल, सेंट्रल एवेन्यू (पैदल यात्री सड़क), स्टालिन पार्क आदि यहां के खास आकर्षण हैं।

इस वजह से रहता है ठंडा: आप सोच रहे होंगे कि हार्बिन का मौसम इतना बर्फीला, इतना ठंडा क्यों है? दरअसल, साइबेरिया और मंगोलियाई पठार से ठंडी हवा पूर्व और दक्षिण की ओर यानी सीधे हार्बिन के ऊपर से बहती हैं, जिससे हार्बिन एक 'बर्फीला शहर' बन जाता है। इसके अलावा, हार्बिन एक तटीय शहर नहीं है। यह जापान सागर से 500 किमी से अधिक दूर है, इसलिए प्रशांत महासागर की गर्म धाराओं से कम ही प्रभावित होता है। इसलिए हार्बिन पश्चिमी यूरोप और जापान के शहरों की तुलना में अधिक ठंडा होता है। हार्बिन में सबसे ठंडा महीना जनवरी होता है, जब यहां का तापमान औसतन माइनस 18 डिग्री सेल्सियस (0 डिग्री फारेनहाइट) होता है।

हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड: यहां का सबसे लोकप्रिय स्थान हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड है, जो एक जमे हुए डिजनीलैंड की तरह दिखता है। इसमें आप बर्फ के महल, कार्टून, मूर्तियां देख सकते हैं और बर्फ के खेल और गतिविधियों की विविधता का आनंद ले सकते हैं। हार्बिन का आइस पार्क लगभग 8,10,000 वर्ग मीटर में फैला है, जो असंख्य मानव-निर्मित बर्फ की मूर्तियों, महलों एवं अन्य आकृतियों से सुसज्जित है। सूर्यास्त के बाद कृत्रिम रोशनी से जगमगाती ये मूर्तियां और आकृतियां पारंपरिक चीनी शैली की इमारतों से लेकर आकर्षक परीकथा महल और बीजिंग के स्वर्ग के मंदिर की याद दिलाती हैं। इसे सोंगहुआ नदी की लगभग 250,000 घन मीटर बर्फ से तैयार किया गया है। यहां दुनिया के सबसे बड़े बर्फ महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

अनोखा है बर्फ महोत्सव: हार्बिन अंतरराष्ट्रीय बर्फ और बर्फ मूर्तिकला महोत्सव यहां आने वाले पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। यहां 300 फुटबॉल मैदानों के बराबर क्षेत्रफल में एक 'आइस सिटी' बनाई जाती है, जिसमें लगभग 500 मिलियन डॉलर की लागत आती है। इस बर्फीले परिदृश्य के बीच, पर्यटक स्कीइंग के साथ-साथ बर्फ पर बाइकिंग का भी आनंद ले सकते हैं। बर्फ महोत्सव के दौरान यहां का तापमान माइनस 35 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। हार्बिन का बर्फ महोत्सव पर्यटकों और फोटोग्राफरों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

अन्य गतिविधियां: बर्फ महोत्सव में पर्यटक पांच अलग-अलग थीम पार्कों का भ्रमण कर सकते हैं। ये थीम पार्क हैं- सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो, हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड, हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड, झाओलिन पार्क आइस लैंटर्न आर्ट फेयर और सोंगहुआ रिवर आइस एंड स्नो कार्निवल। सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो में दुनिया भर के कलाकारों द्वारा बनाई गई विशाल बर्फ की मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं। हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड और झाओलिन पार्क आइस लैंटर्न आर्ट फेयर में आकर्षक आइस लैंटर्न प्रदर्शन किए जाते हैं। हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड में एक हजार से अधिक रोशन लालटेन और सैकड़ों मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं, जिनमें स्थानीय लोगों और कॉलेज के छात्रों द्वारा जटिल नक्काशीदार आर्ट्स शामिल हैं। झाओलिन पार्क, जहां आइस लैंटर्न शो और गार्डन पार्टी का आयोजन किया जाता है, शाम को रंगीन लालटेन से आगंतुकों को चकाचौंध कर देता है, साथ ही यहां लाइव बर्फ-नक्काशी प्रतियोगिताएं भी होती हैं। रोमांच पसंद करने वालों के लिए, बर्फ की चट्टान पर चढ़ना, बर्फ पर तीरंदाजी, बर्फ पर गोल्फ और स्नोबॉल की लड़ाई जैसी गतिविधियां भी यहां होती हैं। हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड, इस आयोजन का सबसे जीवंत स्थल है, जहां स्केटिंग, स्कीइंग, बर्फ की भूल-भुलैया और बर्फ पर बाइकिंग की सुविधा भी है। रोमांच चाहने वाले सुपर स्लाइड पर रोमांचक सवारी का आनंद ले सकते हैं, जिनमें से कुछ 1,000 फीट तक ऊंचे हैं। *

प्रमुख रेलवे केंद्र

हार्बिन पूर्वोत्तर चीन का प्रमुख उत्तरी रेलवे केंद्र है। साथ ही यह चीन और पूर्वोत्तर एशिया को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण रेलवे केंद्र है। चीन के पूर्वी रेलवे के निर्माण के क्रम में हार्बिन का विकास हुआ, इसलिए चीनी कहते हैं कि हार्बिन 'ट्रेनों द्वारा परिवहन किया जाने वाला शहर' है।

मिला संगीत शहर का खिताब

हार्बिन में संगीत की ऐतिहासिक एवं समृद्ध परंपरा रही है। यहां संगीत को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर संगीत के विविध आयोजन किए जाते हैं। साल 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे संगीत का शहर घोषित किया गया था।

कुछ लोग हमेशा दूसरों में कमियां खोजते रहते हैं। इससे वे स्वयं में जरूरी बदलाव नहीं कर पाते हैं। इस बैड हैबिट के क्या नुकसान हो सकते हैं और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए, बहुत उपयोगी सलाह।

सेल्फ ग्रोथ के लिए अच्छी नहीं दूसरों में कमी खोजने की आदत

मोटिवेशन
शिखर चंद जैन

एक कहावत है कि अगर आपको हर किसी में खोट और कमी नजर आती है तो कमी दूसरों में नहीं बल्कि आप में है। इसका मतलब यह है कि आप ऐसे लोगों में से एक हैं, जिन्हें चांद में दाग दिखता है लेकिन उसका धवल प्रकाश, शीतल चांदनी और लुभावना आकार नजर नहीं आता। आपको गुलाब में कांटे दिखते हैं, लेकिन उसकी मनभावन खुशबू को आप महसूस नहीं कर पाते। इसके विपरीत जब आप दूसरों की विशेषताएं उनकी सफलता, समृद्धि और अच्छी आदतों को देखना और जज्ब करना सीख जाते हैं तो आप खुद की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने लगते हैं। आप आगे बढ़ना चाहते हैं तो दूसरों की अच्छाइयों को अपनाएं और अपनी कमियों को पहचान कर उन्हें दूर करें।

कोसना बंद करें: कुछ कारणों से अगर आप वांछित तरक्की नहीं कर पाए हैं या अपने लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए हैं तो इसके लिए दूसरों को दोष देना या अपनी तकदीर को कोसना बंद करें। हर सुबह एक नई ऊर्जा, स्वप्रेरणा और फोकस के साथ उठें और अपनी तरक्की के लिए स्वयं सचेष्ट होने का प्रण लें। नकारात्मक विचारों को मन से निकाल फेंकें और दूसरों को नियंत्रित करने के ख्याल मन में लाने की बजाय अपने क्रिया-कलाप को नियंत्रित करें ताकि आप सही दिशा में कार्यशील रहें।

नजरिया रखता है मायने: हमारा दिमाग चीजों को कैसे देखता है उस पर भी हमारे जीवन का बेहतर होना निर्भर करता है। मैसाचूसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस की प्रोफेसर टेलीशेरोट कहती हैं कि जिंदगी को बेहतर बनाने के प्रयासों के साथ-साथ हमें इसे बेहतर तरीके से देखना भी सीखना होगा। इसके लिए हमें अपने आस-पास मौजूद हमारे घर में उपलब्ध उन चीजों और लोगों का महत्व समझना होगा, जो न होतीं तो हमारा जीवन कैसा होता? फिर इस बात पर गौर करना होगा कि कौन से छोटे-छोटे बदलाव हमें बेहतर बना सकते हैं?

एवरेज मानसिकता से उबरें: अगर आपको आगे बढ़ना है और उन चंद लोगों की सूची में खुद को देखना है, जो आमजन से अलग और ऊपर हैं तो आपको 95 फीसदी लोगों की नहीं सफलतम 5 फीसदी लोगों की आदतों को अपनाना होगा। जाने-माने मोटिवेशनल लेखक रॉबिन शर्मा ने अपनी पुस्तक 'द 5 एएम क्लब' में लिखा है कि अपने दिन की शुरुआत एक लक्ष्य और ऊर्जा के साथ करें। केवल मानसिकता और आशावाद पर ही निर्भर ना रहें। इन सबके साथ-साथ संतुलन पर भी ध्यान दें। अपने स्वास्थ्य, मन और आत्मा पर भी ध्यान दें और उनकी ताकत का इस्तेमाल करें।

इस प्रवृत्ति से स्वयं को रोकें: विशेषज्ञ कहते हैं कि हम अपने आस-पास के लोगों की बेकार में ही कमियां ढूंढते रहते हैं, जबकि उनसे हमारा कोई लेना-देना नहीं होता। इसके लिए आपको सतर्क रहना होगा। खासकर तब जब आप किसी के रूप, रंग और व्यवहार को लेकर नकारात्मक धारणाएं बना रहे होते हैं। मनोचिकित्सक कहते हैं कि जब आप किसी की आलोचना करें या कमियां निकालें तो सबसे पहले खुद का आकलन करें।

इस आदत के नुकसान: हमेशा दूसरों में कमियां ढूंढने से आपकी सहानुभूति और समानुभूति से जुड़ी समझ और भावनाएं धुंधली पड़ सकती हैं। नए दृष्टिकोण के प्रति आपकी ग्रहणशीलता कम हो जाती है। आप यह सोच ही नहीं पाते कि आपसे अलग भी कोई सोच सही और उपयोगी हो सकती है। आप हमेशा तुरंत प्रतिक्रिया करने की ओर अधिक प्रवृत्त हो सकते हैं। आपको लगने लगता है कि आप किसी की जितनी ज्यादा कमियां ढूंढेंगे आपको उतना ही ज्यादा बेहतर महसूस होगा। इससे आपकी सोच प्रभावित होगी और ग्रोथ प्रभावित होगी। *

लोगों को जज ना करें

अकसर व्यवहारगत कारण हमारी तरक्की की राह में रुकावट बनते हैं। सफल लोगों की कुछ खास आदतें विनम्रता, परोपकार और मिलनसारिता उन्हें आगे ले जाती हैं। 'व्हाट गॉट यू हियर वॉन्ट गेट यू देयर' के लेखक मार्शल गोल्डस्मिथ कहते हैं कि सफल लोगों के विचार ठोस होते हैं और उन्होंने अपने लिए ऊंचे मानक तय किए होते हैं। इसलिए अपनी आदतों के प्रति सजग रहें। लोगों को थैंक यू बोलना सीखें और सुनने की कला विकसित करें।

रोचक / अपराजिता

समय की सटीक गणना करना हमें जितना आसान लगता है, उतना होता नहीं है। इसमें कई फैक्टर्स काम करते हैं। समय की सटीक गणना करने की प्रक्रिया कब कैसे शुरू हुई, जानिए।

आज भी आसान नहीं है समय की सटीक गणना

अगर आपने कभी समय की सटीक सूक्ष्मता पर गंभीरता से नहीं सोचा तो एक मायने में कहना होगा कि आप समझदार और व्यावहारिक व्यक्ति हैं, क्योंकि भले आम आदमी के लिए आज टाइम या समय जानना बेहद आसान हो। हम मोबाइल से लेकर लैपटॉप तक कहीं भी एक नजर डालकर पलक झपकते समय जान लेते हों। लेकिन अगर आप समय को भौतिक विज्ञान की नजर से समझने में रुचि रखते हैं तो समझ लीजिए आपके लिए सही समय जानना, वाकई रॉकेट साइंस जैसा जटिल हो जाएगा। जी हां, तकनीक के इस अतिविकसित काल में भी सही समय जानना और लगातार सही समय के साथ संपर्क में रहना कितना जटिल है, इसे वही लोग जानते हैं, जिन्हें हम टाइम कीपर कहते हैं।

इसलिए होता है कठिन: सटीक समय जानना इसलिए कठिन होता है क्योंकि समय की सटीकता केवल घड़ी देखने तक सीमित नहीं होती है, बल्कि यह वैश्विक संचार, नेविगेशन, वित्तीय लेन-देन और वैज्ञानिक अनुसंधानों से गहराई से जुड़ी हुई स्थिति है। टाइमकीपर्स के लिए यह एक बड़ी चुनौती इसलिए होती है, क्योंकि समय का प्रवाह पूर्णतः स्थिर नहीं होता। सापेक्षता के सिद्धांत के अनुसार, गुरुत्वाकर्षण और गति का प्रभाव भी समय को थोड़ा बहुत प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, पृथ्वी की सतह की तुलना में उपग्रहों पर लगी घड़ियां थोड़ा अलग गति से चलती हैं। साथ ही पृथ्वी की घूर्णन गति में छोटे-छोटे परिवर्तन होते हैं, जिससे कभी-कभी 'लीप सेकेंड' जोड़ना पड़ता है। दुनिया भर को हर पल सही समय के साथ रखने के लिए परमाणु घड़ियों के नेटवर्क को सिंक करना जरूरी होता है, क्योंकि जीपीएस, इंटरनेट, बैंकिंग सिस्टम और टेलीकॉम नेटवर्क इसी सटीक वैश्विक समय पर निर्भर करते हैं। इस सबके लिए माइक्रोसेकेंड (1 सेकेंड का दस लाखवां भाग) के स्तर की सटीकता चाहिए होती है, जो बनाए रखना किसी भी क्षण आसान नहीं होता है।

इसलिए सटीकता है जरूरी: आज के दौर में समय की सटीकता का रिश्ता, साइबर सुरक्षा से भी जुड़ गया है। आधुनिक समय-संकेतों को साइबर हमले से सुरक्षित रखना जरूरी है। यदि किसी देश का टाइम-सिग्नल हैक हो जाए, तो बैंकिंग, इंटरनेट और सैन्य सिस्टम प्रभावित हो सकते हैं। समय को सटीकता के पैमाने पर खरा बनाए रखने के लिए भिन्न समय मानकों के साथ सौ फीसदी सटीक तालमेल जरूरी होता है। आज इंसान को हर पल जो यह सटीक समय जानने की सुविधा है, वह कई शताब्दियों के वैज्ञानिक प्रयासों का नतीजा है। लेकिन इसे बनाए रखना लगातार जटिल होता जा रहा है, खासकर जब माइक्रोसेकेंड और नैनोसेकेंड की सटीकता की जरूरत बढ़ती जा रही हो। *

सही समय जानने की यात्रा

इंसान को सटीक समय जानने की सुविधा कब और कैसे मिली? इस सवाल का जवाब है, प्राचीन काल में कई प्रयोगों के बाद यह सौगात हासिल हुई है। पहले सूर्यघड़ी और जलघड़ी जैसी तकनीकों से समय मापा जाता था, लेकिन ये मौसम और भौगोलिक स्थितियों पर निर्भर हुआ करती थी। इसके बाद आया यांत्रिक घड़ियों का युग (13वीं-14वीं सदी)। सबसे पहले यूरोप में यांत्रिक घड़ियां बनीं, लेकिन इनमें लाख कोशिशों के बावजूद कुछ मिनटों का फर्क रह जाता था। इन्हीं दिनों यानी अठारहवीं शताब्दी में समुद्री यात्रा में सटीक समय जानना अनिवार्य हो गया, क्योंकि तभी समुद्री जहाज अपनी सही स्थिति जान सकते थे। इस सिलसिले में सन 1761 में जॉन हैरिसन ने पहला समुद्री क्रोनोमीटर बनाया, जिससे सटीक समय मापना संभव हुआ।

समय का पहिया आगे बढ़ा फिर 19वीं सदी में रेलवे और टेलीग्राफ का युग आया। आगे चलकर ट्रेनों के समय समन्वय के लिए भी सटीक समय जानना जरूरी हो गया। सन 1884 में पहली बार वैश्विक समय-क्षेत्र यानी टाइम जोन बनाए गए। साथ ही इसी दौर में टेलीग्राफ नेटवर्क ने एक घड़ी को दूसरी से जोड़कर सही समय पहुंचाने में मदद की। सही समय जानने का अगला तरीका था परमाणु घड़ी। बीसवीं सदी का यह समय सचमुच अल्ट्रा-सटीक समय था। सन 1949 में पहली परमाणु घड़ी बनी, जिसने माइक्रोसेकेंड स्तर की सटीकता दी। इससे भी आगे 1967 में सेसियम परमाणु घड़ी के आधार पर सेकेंड को परिभाषित किया गया। भला तब कौन जानता था कि आने वाले दिनों में जीपीएस और इंटरनेट आने वाला है, जिसके लिए टाइम की नैनो सेकेंड तक की सटीकता की दरकार होगी। आज जीपीएस सैटेलाइट्स परमाणु घड़ियों का उपयोग करके हमें सटीक समय देते हैं। आज इंटरनेट टाइम प्रोटोकॉल से दुनिया भर के कंप्यूटर और स्मार्टफोन सही समय सिंक कर पाते हैं।

जंतु-जगत
रजनी अरोड़ा

विलुप्ति की कगार पर हैं ये जंतु प्रजातियां

दुनिया में कई जीव-जंतु की प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। इनकी संख्या दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुके ऐसे ही कुछ संकटग्रस्त पशु-पक्षियों के बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी पर जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों की ज्ञात प्रजातियों की संख्या लगभग तेरह लाख है, जिनमें से हम तकरीबन 14 प्रतिशत के बारे में ही जानते हैं। लेकिन अब एक लाख से अधिक प्रजातियों पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। मानव की बढ़ती जरूरतों की खातिर जंगलों की अंधाधुंध कटाई, जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आवास का अतिक्रमण, उनका अवैध शिकार और उनके विभिन्न अंगों की तस्करी या व्यापार, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन... ऐसी अनेक वजहों से कई जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ और अन्य जैव संरक्षण संगठनों के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार दुनिया में जीव-जंतुओं की एक लाख से अधिक प्रजातियां संकट में हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

अमूर तेंदुआ: यह दुनिया का सबसे दुर्लभ तेंदुआ प्रजाति है, जो रूस और चीन के सीमावर्ती जंगलों में पाए जाते हैं। इनकी कुल संख्या केवल 100 के आस-पास बची है। इसके सुंदर धब्बेदार फर के लिए इसका शिकार किया जाता है। इसके अलावा जंगलों की कटाई और इनब्रीडिंग की वजह से भी इसका अस्तित्व संकट में है।

सुमात्रन गैंडा: यह दुनिया का सबसे छोटा और दो सींग वाला गैंडा है, जो अब केवल

इंडोनेशिया के कुछ इलाकों व सुमात्रा द्वीप में बचे हैं। इनके भी लगभग 80 सदस्य ही बचे हैं। शिकार और आबादी का विखंडन इसके लिए मुख्य खतरे हैं।

बोर्नियन-सुमात्रन ओरंग उटान: ये एशिया के वर्षावनों में पाए जाते हैं। जंगलों की कटाई (खासकर पाम ऑयल के लिए), शिकार और आगजनी की वजह से इनकी संख्या तेजी से घट रही है। इंडोनेशिया के सुमात्रा में लगभग 14,000 ओरंग उटान बचे हैं।

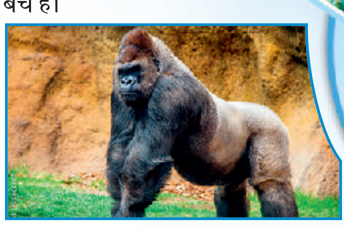

क्रॉस रिवर गोरिल्ला: यह अफ्रीका के कुछ जंगलों में पाया जाता है। ये अब मात्र 250-300 की संख्या में बचे हैं। आवास विनाश और शिकार की वजह से इनका अस्तित्व खतरे में है।

व्हेल शार्क: दुनिया का सबसे बड़ा स्तनपायी जंतु व्हेल शार्क, शिकार और समुद्री प्रदूषण के कारण संकट में है। दुनिया

में इनकी अनुमानित संख्या 10,000-20,000 के बीच है।

पैंगोलिन: एशिया और अफ्रीका में मिलने वाला यह स्केलयुक्त स्तनपायी दुनिया में सबसे ज्यादा तस्करी किया जाता है। ऊंचे दामों पर बिकने वाले इनके स्केल पाने की वजह से इनका शिकार किया जाता है, जिससे इनके विलुप्त होने का खतरा बढ़ गया है। अनुमान है कि पिछले दशक 10 लाख से ज्यादा पैंगोलिन तस्करी के शिकार हुए।

गंगा डॉल्फिन: भारत और पड़ोसी देशों की नदियों में पाई जाने वाली यह डॉल्फिन जल प्रदूषण, बांध और शिकार के कारण संकटग्रस्त है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश की नदियों में 3,500-4,000 डॉल्फिन रह गई हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड: यह विशाल पक्षी राजस्थान और गुजरात के शुष्क क्षेत्रों में पाया जाता है। इसकी संख्या अब 150 से भी कम रह गई है। यह भारत के सबसे संकटग्रस्त पक्षियों में गिना जाता है। बिजली के तारों से टकराना और अवैध शिकार इसके प्रमुख खतरे हैं। *

हॉक्सबिल टर्टल

इस समुद्री कछुए का शिकार इसके खूबसूरत कवच के लिए किया जाता है। समुद्री प्रदूषण और आवास विनाश भी इसके लिए खतरा है। दुनिया में इनकी अनुमानित संख्या 8,000-10,000 है।

बंगाल टाइगर

भारत का राष्ट्रीय पशु बंगाल टाइगर, विश्व की सबसे प्रतिष्ठित बड़ी बिल्ली प्रजातियों में से एक है। यह मुख्य रूप से संरक्षित क्षेत्रों जैसे सुंदरबन, काजीरंगा, बांधवगढ़, रणथंभौर और कॉर्बेट में पाया जाता है। 20वीं सदी के मध्य तक इसकी संख्या बहुत तेजी से गिर गई थी। आज इनकी संख्या तकरीबन 4 हजार रह गई है। इनकी घटती संख्या का कारण है, खाल के लिए इनका शिकार किया जाना।